घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 22- शनिवार 22- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

बिहार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा,सम्राट चौधरी को गृह विभाग

बिहार में पहली बार नीतीश ने गृह मंत्रालय छोड़ा,मंगल पांडे फिर स्वास्थ्य मंत्री

पटना,21 नवम्बर 2025। नीतीश मंत्रिमंडल में बड़ा बदलाव किया गया है। 20 साल बाद नीतीश कुमार ने गृह विभाग छोड़ा है। ये विभाग अब बीजेपी के पास चला गया है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी गृह विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। बीजेपी ने वित्त विभाग जेडीयू को दिया है। बिजेंद्र यादव ऊर्जा के साथ वित्त विभाग का जिम्मा भी देंखेंगे। इसके साथ ही मंगल पांडे को फिर से स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा सौंपा है। पहली बार मंत्री बनीं नेशनल शूटर श्रेयसी सिंह को खेल विभाग दिया गया है।

एचएएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन का विभाग नहीं बदल गया। वे फिर से लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री होंगे। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के पास भूमि एवं राजस्व विभाग के अलावा खान एवं भू-तत्व विभाग मिला है। हालांकि इनसे कृषि विभाग

लेकर बीजेपी कोटे से मंत्री बने रामकृपाल यादव को दिया गया है। दिलीप जायसवाल उद्योग मंत्री बनाए गए हैं। नितिन नवीन को पत्र निर्माण विभाग के साथ-साथ नगर विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शुक्रवार देर शाम 26 मंत्रियों को विभाग बांट दिए गए हैं। 20 नवंबर को नीतीश कुमार के साथ सभी मंत्रियों ने शपथ ली थी। शपथ लेने 24 घंटे बाद विभागों का बंटवारा हुआ है।

सम्राट चौधरी के हाथ में क्या रहेगा

- **कानून-व्यवस्था की पूरी कमान :** पूरा पुलिस विभाग सीधे गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करेंगे। हिंसा, दंगे, बड़े अपराध,भीड़ नियंत्रण, महत्वपूर्ण गिरफ्तारियों में अंतिम निर्णय उन्हीं का होगा।
- **आईपीएस अधिकारियों की पोस्टिंग,ट्रांसफर और सस्पेंशन:** SP,DIG,IG जैसे पदों पर किसको कहां रखना है गृह मंत्री करेंगे। यह अधिकार राजनीतिक और प्रशासनिक प्रभाव के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है।
- **नक्सल, ऑर्गनाइज्ड क्राइम और गैंगस्टर पर कार्रवाई का संचालन:** नक्सल प्रभावित जिलों की नीति, ऑपरेशन ग्रीन हंट/सर्च ऑपरेशन जैसी गतिविधियां गृह मंत्री की मंजूरी से चलती हैं। बड़े गैंग्स पर CIDD,STF या SOG लगाने का फैसला भी गृह मंत्री करता है।

गुटबाजी मेरे खून में नहीं है : डीके शिवकुमार

कर्नाटक में सीएम फेरबदल को नकारा

बेंगलुरु,21 नवम्बर 2025। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया। शिवकुमार ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया कि सीएम सिद्धारमैया अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। सीएम और मैंने,दोनों ने बार-बार कहा है कि हम हाईकमान की बात मानते हैं। दरअसल यह चर्चा शिवकुमार के करीबी विधायकों के दिल्ली में हाईकमान से मुलाकात के बाद शुरू हुई थी। समर्थकों ने दावा किया कि शिवकुमार को अगला सीएम बनना चाहिए। हालांकि डिप्टी सीएम ने कहा कि सभी विधायक हम सब के हैं। गुटबाजी मेरे खून में नहीं है। सीएम ने कैबिनेट में फेरबदल करने का फैसला किया। हर कोई मंत्री बनना चाहता है इसलिए उनका दिल्ली में लीडरशिप से मिलना स्वाभाविक है। यह उनका अधिकार है। हम उन्हें रोक नहीं सकते। दरअसल डीके शिवकुमार के करीबी एक मंत्री और कुछ एमएलए गुरुवार को कांग्रेस के टॉप नेताओं से मिलने के लिए दिल्ली गए थे। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब चीफ मिनिस्टर सिद्धारमैया के बतौर मुख्यमंत्री ढाई साल पूरे हो चुके हैं। 20 मई, 2023 को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद चीफ मिनिस्टर पद के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी टक्कर

थी। कांग्रेस शिवकुमार को मनाने और उन्हें डिप्टी चीफ मिनिस्टर बनाने में कामयाब रही थी। उस समय कुछ रिपोर्ट्स में चर्चा थी कि रोटेशनल चीफ मिनिस्टर फ़ॉर्मूला के आधार पर समझौता हो गया है, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद चीफ मिनिस्टर बनेंगे,लेकिन पार्टी ने उन्हें ऑफिशियली कन्फर्म नहीं किया है। माना जा रहा है कि शिवकुमार के कुछ लॉयल लोग चाहते थे कि उनके लीडर चीफ मिनिस्टर की कुर्सी पर बैठें। सूत्रों के अनुसार, मिनिस्टर एन चालुवरायस्वामी,एमएलए इकबाल हुसैन, एच सी बालकृष्ण और एस आर श्रीनिवास गुरुवार को दिल्ली गए हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को 12 और एमएलए दिल्ली पहुंच सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि कुछ दिन पहले लगभग 12 एमएलसी ने दिल्ली में डेरा डाला था और कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी से बात की थी।

भारत में चार नए लेबर कोड लागू

29 पुराने कानून खत्म,श्रम ढांचा पूरी तरह बदला

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। सरकार ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए देश में चार लेबर कोड तुरंत प्रभाव से लागू कर दिए। इन कोड्स के लागू होने के साथ ही 29 पुराने श्रम कानून खत्म हो गए हैं और उनकी जगह अब एकृकीत और सरल ढांचा काम करेगा।

लागू किए गए चार कोड हैं...

- वेज कोड,2019 (वेतन संहिता)
- इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020 (औद्योगिक संबंध संहिता)
- सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 (सामाजिक सुरक्षा संहिता)
- ऑक्यूपेशनल सेफ्टी,हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड,2020 (व्यावसायिक सुरक्षा,स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता)

यह कोड्स आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को आगे बढ़ाएंगे : श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है और अब वे देश के कानून हैं। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि श्रम नियमों का आधुनिकीकरण,श्रमिकों के कल्याण को बढ़ावा देना और श्रम पारिस्थितिकी तंत्र को कार्य की उभरती दुनिया के साथ संरेखित करके, यह ऐतिहासिक कदम भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और मजबूत, लचीले उद्योगों की नींव रखता है, जो आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधारों को आगे बढ़ाएगा।

आधार कार्ड में बड़ा बदलाव...अब नहीं दिखेगा पता और जन्मतिथि,सिर्फ फोटो और क्यूआर से होगी पहचान...

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। आधार कार्ड से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा बदलाव सामने आया है। UIDAI ऐसी तैयारी कर रहा है जिससे आपके आधार कार्ड से पता और जन्मतिथि पूरी तरह हट जाएंगे। आगे

चलकर पहचान के लिए सिर्फ आपकी फोटो और QR कोड ही काफी होंगे। आम लोगों में भी इस बदलाव को लेकर चर्चा तेज है, क्योंकि आधार अब हर घर की जरूरत बन चुका है।

पता और जन्मतिथि होंगे गायब

सरकार और UIDAI आधार कार्ड का स्वरूप पूरी तरह बदलने की तैयारी में है। आने वाले दिनों में न तो कार्ड पर एड्रेस दिखेगा और न ही आपकी जन्मतिथि। नया आधार कार्ड सिर्फ फोटो और त्तक्रकोड पर आधारित होगा, जिसमें बाकी जानकारी डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगी।

क्यों लिए गए ये बड़े फैसले ?

UIDAI के CEO भुवनेश कुमार ने बताया कि यह बदलाव प्राइवेसी और डेटा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किया जा रहा है। अक्सर लोग आधार की फोटोकॉपी होटल, सिम प्रदाताओं या इवेंट आयोजकों को दे देते हैं, जिससे संवेदनशील जानकारी गलत हाथों में जा सकती है। इसी जोखिम को खत्म करने के लिए UIDAI ने निर्णय लिया है कि विवरण कार्ड पर छपने की बजाय QR कोड में सुरक्षित रहेगा। भुवनेश कुमार का साफ कहना है 'जब तक कार्ड पर डिटेल छपेगी, इसका दुरुपयोग होता रहेगा। इसलिए आगे सिर्फ फोटो और QR कोड ही होना चाहिए।'

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ दुर्भावना पूर्ण अभियान चला रही भाजपा: सुरजेवाला

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के भीतर मतभेद और असंतोष की खबरों को कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने खारिज कर दिया है। सुरजेवाला ने कहा कि उनकी मुख्यमंत्री और

उपमुख्यमंत्री से विस्तृत चर्चा हुई, और दोनों इस बात पर सहमत हैं कि कर्नाटक में निर्णायक रूप से पराजित और गुटबद्ध भाजपा, मीडिया के एक वर्ग की मदद से कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक दुर्भावनापूर्ण अभियान चला रही है। सुरजेवाला ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि इस अभियान का असली उद्देश्य कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों और उसकी पांच गारंटी योजनाओं को कमजोर करना है, जो राज्य में समावेशी विकास और न्यायपूर्ण वितरण का सफल मॉडल बन चुकी हैं।

देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुनकर बाहर निकालेंगे : शाह

भुज,21 नवम्बर 2025। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए घुसपैठियों को रोकना अनिवार्य है। इसके लिए देशवासियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में पूरा सहयोग देना चाहिए। गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की हीरक जयंती समारोह को संबोधित करते हुए गृहमंत्री शाह ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के चलते एसआईआर का विरोध करने वाले दल देश के मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान को कमजोर कर रहे हैं, जबकि यह प्रक्रिया मजबूत लोकतंत्र की बुनियाद है। शाह ने कहा कि देश से एक-एक घुसपैठिये को चुन-चुन कर बाहर निकाला जाएगा। बिहार की जनता के ताज़ा जनमत ने भी संदेश दे दिया है कि देशवासी घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस देश में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का चयन केवल भारत का नागरिक ही करेगा–किसी घुसपैठिये को लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने का अधिकार नहीं है। गृह मंत्री

ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र को घुसपैठ से मुक्त करने का एक महत्वपूर्ण कदम है,इसलिए देश की जनता को इसमें सक्रिय रूप से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो राजनीतिक दल इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं, वे देशहित के विपरीत काम कर रहे हैं, लेकिन सरकार अपने दृढ़ संकल्प से पीछे नहीं हटेगी। अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ ने पिछले छह वर्षों में अपनी दक्षता और वीरता से विश्व को संदेश दिया है कि भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि 2013 बीएसएफ जवानों ने अपने प्राणों की सर्वोच्च आहुति देकर देश की सीमाओं को सुरक्षित रखा है। आतंकवाद, नक्सलवाद, आपदा प्रबंधन और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भी बीएसएफ ने हमेशा अग्रिम पंक्ति में काम किया है। उन्होंने कहा कि आज बीएसएफ 193 बटालियनों और 2.76 लाख से अधिक जवानों के साथ पाकिस्तान से सटी 2,279 किमी और बांग्लादेश से लगी 4,096 किमी लंबी सीमा की चौकसी कर रही है। शाह ने कहा कि जल, थल और गगन–तीनों क्षेत्रों की सुरक्षा में बीएसएफ का योगदान अद्वितीय है। गृहमंत्री ने कच्छ की जनता के साहस को याद करते हुए कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इस क्षेत्र ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कच्छ की जनता ने युद्धों और भूकंप जैसी कठिन परिस्थितियों से उबरते हुए क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। शाह ने हाल के आतंकवादी हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि पाकिस्तान प्रेरित आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर कायराना हमला किया था। प्रधानमंत्री के निर्देश पर 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया गया,जिसमें जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के नौ प्रमुख ठिकानों को नष्ट किया गया। इस कार्रवाई के दौरान सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज अहमद और सिपाही दीपक ने सर्वोच्च बलिदान दिया, जिन्हें पूरा देश सदैव याद रखेगा। गृहमंत्री ने कहा कि सीमा पर अभेद्य फेंसिंग के अधिकांश ट्रायल पूरे हो चुके हैं और जल्द ही 'ई-बॉर्डर सिक्योरिटी' का कॉन्सेप्ट लागू किया जाएगा। अगले पांच वर्षों में पूरी भू-सीमा को ई-सुरक्षा के मजबूत घेरे में लाने का लक्ष्य है।

31 मार्च 2026 तक पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त : शाह

गृहमंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों के पराक्रम के चलते देश 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने छत्तीसगढ़ में 127 माओवादियों का आत्मसमर्पण कराया,73 को गिरफ्तार किया और 22 को मार गिराया। उन्होंने कहा कि 'तिरुपति से पशुपति' तक फैलने के नक्सली सपने का अंत निश्चित है और उन क्षेत्रों में तेजी से विकास सुनिश्चित किया जाएगा। शाह ने बताया कि वर्ष 2025 में अब तक बीएसएफ ने 18 हजार किलोग्राम से अधिक ड्रग्स जब्त किए हैं। इसे उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि देश को नशे के जाल से मुक्त करने में बीएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दुबई एयर शो में भारत का लड़ाकू विमान 'तेजस' क्रैश,पायलट की मौत,जांच के आदेश

नई दिल्ली, 21 नवम्बर 2025। दुबई एयर शो के दौरान क्रैश हुए भारत के तेजस विमान हादसे में पायलट की मौत हो गई है। भारतीय वायु सेना ने दुबई एयर शो के दौरान हुए तेजस विमान हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। दुर्घटना का यह दृश्य बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाला था। जांच टीमें घटना के कारणों का पता लगाने में जुट गई हैं। दुबई में 17 नवम्बर से शुरू हुए एयर शो में वायु सेना की सारंग डिस्प्ले टीम और लड़ाकू विमान तेजस ने भारत की आसमानी ताकत का प्रदर्शन किया है। युद्धाभ्यास करने के साथ ही भारत के लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस ने अपने अंदाज में दुबई के लोगों और दुबई एयरशो के आगंतुकों को 'नमस्ते' करके वाहवाही लूटी। इस मौके पर लगाई गई प्रदर्शनी में भी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड

(एचएएल) ने एलसीए तेजस को अपने स्टॉल में प्रदर्शित किया है। एलसीए की आसमानी ताकत देखकर कई देशों ने तेजस के प्रति आकर्षित होकर अपनी रुचि दिखाई है। वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम और तेजस फाइटर्स वाली एक टुकड़ी दुबई एयर शो के लिए दुबई के अल मकतूम एयरबेस पर उतरी थी। इस ग्लोबल इवेंट का मकसद इंटरऑपरेबिलिटी,ऑपरेशनल एज को बढ़ाना और मिलिट्री के साथ-साथ बिजनेस कोऑपरेशन को बढ़ावा देना है।

एयर शो के आखिरी दिन आज दिन में भारत का लड़ाकू तेजस विमान उड़ान भरने के दौरान तेजी से नाक के बल नीचे की ओर गिरता दिखाई दिया और चंद सेकेंड के बाद 2 बजकर 10 मिनट पर जमीन से छूने के बाद आग का गोला बन गया। उस समय एयर शो को देखने के लिए हजारों दर्शक जमा थे। एयर शो में एरियल डिस्प्ले के दौरान दुर्घटना होने से दर्शकों के सामने बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाला दृश्य पैदा हो गया, जिससे भगदड़ सी मच गई। दुबई वर्ल्ड सेंट्रल में अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऊपर काला धुआं उठने के बाद सायरन बजने लगे। दुबई मीडिया ऑफिस ने तेजस क्रैश के बाद की एक तस्वीर जारी की है। दुबई मीडिया ऑफिस के मुताबिक फायर फाइटर्स और इमरजेंसी टीमों ने घटना पर तुरंत कार्रवाई की और मौके पर ही स्थिति को संभाला। यूएई सिक्योरिटी फोर्स ने दुबई एयरशो में आए सभी विज़िटर्स को तुरंत बाहर निकालना शुरू कर दिया। रेस्क्यू और फायरफाइटिंग टीमों को हादसे वाली जगह पर तैनात किया गया है।

भारत को अमेरिका से मिला हवा में ही ईंधन भरने वाला बोइंग केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। भारतीय वायु सेना को अमेरिका से लीज पर लिया गया हवा में ही ईंधन भरने वाला विमान बोइंग केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर मिला गया है। यह विमान शुक्रवार सुबह आगरा के वायु सेना स्टेशन पर उतरा है। यह पूरी तरह से वेट लीज पर लिया गया विमान है, जिसका मतलब है कि एयरक्राफ्ट को अमेरिकी फर्म मेट्रिया मैनेजमेंट के पायलट और क्रू उड़ाएंगे,चलाएंगे और रखरखाव करेंगे। यह टैंकर विमान मिलने से आधुनिक युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना को हवा में ही ईंधन भरने में आसानी होगी। भारत के रिफ्यूलर फ्लीट में अभी छह रूसी इल्यूशिन-78 टैंकर हैं, जिन्हें पहली बार साल 2003 में शामिल किया गया था। पुराने पड़ते इन टैंकरों की मरम्मत और रखरखाव में बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन विमानों की दृश्यता भी काफी कम है, जिससे लंबी दूरी के मिशन या बिना लैंड और रिफ्यूल

किए ज्यादा उड़ान भरने में दिक्कत थी। वायु सेना साल 2007 से छह मिड-एयर रिफ्यूलर लेने की कोशिश कर रही है लेकिन राजनयिक देरी और आर्थिक दिक्कतों की वजह से उसे कामयाबी नहीं मिली। इसलिए कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना और नौसेना के पायलट्स को एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग ट्रेनिंग देने के लिए अमेरिकी कंपनी मेट्रिया मैनेजमेंट के साथ समझौता किया था। फ्लाइट रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट (एफआरए) के लिए किये गए अनुबंध के आधार पर वेट लीज पर लिया गया केसी-135 आज आगरा में उतरा।

तमिलनाडु के तिरुचेंदूर मंदिर परिसर में रील बनाने पर रोक,नियम तोड़ने पर होगी कानूनी कार्रवाई

तिरुचेंदूर, 21 नवम्बर 2025। तमिलनाडु के तिरुचेंदूर में श्री सुब्रमण्य स्वामी मंदिर प्रशासन ने रील बनाने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। मंदिर प्रशासन ने मंदिर परिसर में रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। हाल ही में एक महिला के नृत्य की रील बनाए जाने के बाद मंदिर परिसर में चेतावनी वाले बैनर भी लगाए गए हैं। तिरुचेंदूर स्थित श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर न केवल तमिलनाडु में बल्कि विश्व भर में मुरुगन भक्तों के लिए एक प्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थान है। यहां की वास्तुकला और

पारंपरिक अनुष्ठान मंदिर की पवित्रता और भव्यता को दर्शाते हैं। हालाँकि, हाल ही में हुई एक घटना ने मंदिर प्रशासन को बहुत परेशान कर दिया है, जिसमें मंदिर परिसर के पास एक महिला द्वारा फिल्मी गाने पर नृत्य करने और रील बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई हिंदू संगठनों और लोगों द्वारा इस कृत्य का विरोध किए जाने के बाद मंदिर प्रशासन ने तुरंत सख्त कार्रवाई की। इस संबंध में मंदिर के आसपास विभिन्न स्थानों पर नोटिस बोर्ड लगाए गए हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी 20वें जी20 समिट में शामिल होने पहुंचे जोहान्सबर्ग

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20वें जी20 लीडर्स समिट में शामिल होने के लिए साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग पहुँच गए हैं। यह सम्मेलन वैश्विक आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक मुद्दों पर नेताओं के बीच सहयोग और संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी इस सम्मेलन में भारत की विकास योजनाओं, आर्थिक वृद्धि और वैश्विक साझेदारी पर चर्चा करेंगे। उनका फोकस विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन,सतत् विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर रहेगा। साथ ही,वे वैश्विक व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अन्य देशों के नेताओं के साथ दो और बहुपक्षीय बैठकें भी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा से पहले कहा कि भारत वैश्विक मंच पर अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह निभा रहा है और जी20 के माध्यम से भारत की स्थिर, टिकाऊ और समावेशी विकास रणनीति को साझा किया जाएगा। उन्होंने

यह भी कहा कि यह अवसर भारत और अन्य देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का है।

इस समिट में दुनिया के प्रमुख 20 देशों के नेता भाग ले रहे हैं। इसमें अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु कार्रवाई और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मोदी सरकार की नीतियों और विकास मॉडल को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान सुरक्षा और प्रोटोकॉल का उच्च स्तर बनाए रखा गया है। भारत की प्रतिनिधि टीम में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के अधिकारी भी शामिल हैं, जो समिट में भारत के राष्ट्रहित और रणनीतिक मुद्दों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संपादकीय

जंगलराज का मुद्दा हिट...

असम,पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में बिहार को भुनाएगी बीजेपी

बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद अगले साल अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों में बीजेपी इस जीत को भुनाएगी। वह राज्य से मिले सबक और आजमाई रणनीति को इन राज्यों में लागू कर सकती है। अगले साल असम,केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव हैं। इनमें से असम में अभी बीजेपी की सरकार है और बाकी तीन राज्यों में बीजेपी कभी भी सत्ता में नहीं रही।

यहां बीजेपी की सरकार है और हिमंता बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। पहले वह कांग्रेस में थे। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखे हमले करते हैं। पिछले दिनों उन्होंने यहां तक कहा कि राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, वहां हार निश्चित है, वह दुर्भाग्य के प्रतीक हैं। माना जा रहा है कि बिहार के चुनावी मॉडल पर असम सरकार भी काम कर सकती है। बिहार में एनडीए की जीत में महिलाओं का समर्थन अहम माना जा रहा है।

2021 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने राज्य में 77 सीटें जीती थीं। पार्टी नेता बिहार की जीत का असर यहां भी दिखने की उम्मीद कर रहे हैं। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में जंगलराज की बात करनी शुरू भी कर दी है। एनडीए,खासकर बीजेपी बिहार में लोगों को यह समझाने में सफल दिखी कि अगर आरजेडी सत्ता में आ गई तो जंगलराज वापस आ जाएगा। अब वह इसे पश्चिम बंगाल में भी दोहरा रही है। जल्द ही पश्चिम बंगाल में पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर ममता सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन की रणनीति बना रहे हैं। बीजेपी के एक नेता ने कहा कि जिस तरह कानून-व्यवस्था के मुद्दे का असर बिहार में हुआ, उसी तरह पश्चिम बंगाल में भी यह हमारे लिए अहम मुद्दा रहेगा। यहां अभी बीजेपी की मौजूदगी ना के बराबर है। राज्य में इस वक्त एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) की सरकार है। 2021 विधानसभा चुनाव में केरल में इतिहास रचते हुए पी. विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ ने जीत दर्ज की थी। पिछले चार दशकों से हर चुनाव में राज्य में सरकार बदल जाती थी। मगर 2021 में यह ट्रेंड टूटा और फिर से एलडीएफ सरकार बनी। इससे पिछले चुनाव में बीजेपी ने यहां पहली बार एक सीट जीती थी, लेकिन 2021 में उसने वह भी गंवा दी। सदानंद मास्टर को कुछ महीने पहले ही राज्यसभा के लिए नामित किया गया है, जो केरल में आरएसएस का सबसे बड़ा चेहरा हैं। राज्य में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में सदानंद मास्टर भी प्रत्याशी थे। केंद्र की एनडीए सरकार में अभी केरल से सुरेश गोपी मंत्री हैं। उन्होंने कुछ दिनों पहले कहा था कि उनकी जगह सदानंद मास्टर को मंत्री बनाया जाना चाहिए। केरल में पांव जमाने के लिए बीजेपी हर संभव कोशिश कर रही है। तमिलनाडु में बीजेपी गठबंधन के सहारे पांव जमाने की कोशिश कर रही है। उसने एआईएडीएमके के साथ गठबंधन किया है। बीजेपी नेता दावा करते हैं कि तमिलनाडु में उनके गठबंधन की सरकार बनेगी, वहीं एआईएडीएमके नेता लगातार कह रहे हैं कि यहां सिंगल पार्टी की सरकार बनेगी यानी वे गठबंधन में रहते हुए भी चुनाव जीतने पर बीजेपी को सत्ता में भागीदारी नहीं देना चाहते। पिछला चुनाव बीजेपी औरएआईएडीएमके ने साथ लड़ा था। हालांकि तब ष्ठरूध्र ने जीत दर्ज की। बिहार की जीत का यहां भले बीजेपी को फायदा सीधे ना मिले, लेकिन कांग्रेस के कमजोर होने से डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में अगर खींचतान हुई तो उसका लाभ उसके अलायंस को मिल सकता है।

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

“हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है,वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें,विदेशी डिजाइन,चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं। शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है।”

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

यह प्रवृत्ति केवल बो ार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य,नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवो करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है।

आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है,तब शराब को फैशनेबल बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जो दिया है,जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है,जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक हर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस,हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। से क दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते पर भेजने जैसा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं। यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बे ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है,तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है,उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बे ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है। ऐसे में सादे,सरल और सामान्य पैकेजिंग की दिशा में कदम बढ़ाना आवश्यक है,ताकि शराब किसी लक्जरी उत्पाद की तरह न दिखे,बल्कि उसका स्वरूप ही लोगों को चेतावनी देने वाला बने।

यह भी चिंताजनक है कि शराब उद्योग का उद्देश्य केवल बिक्री बढ़ाना है, भले ही उससे समाज कितना भी प्रभावित क्यों न हो। वे यह नहीं देखते कि शराब कितने घर बर्बाद कर रही है,कितने लोग बीमार हो रहे हैं और कितनी जिंदगियां संकट में हैं। इस मानसिकता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बेहद आवश्यक है। शराब की ग्लैमरस पैकेजिंग पर रोक लगाने से न केवल उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण वातावरण भी बनेगा। सरकारों के लिये राजस्व का बड़ा जरिया शराब है,इसलिये सरकारें भी शराब के खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी को केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार, समाज और परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। शराब किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और उसे आकर्षक बनाकर बेचना मानव जीवन के मूल्य को कम करना है। आज आवश्यकता है कि शराब की पैकेजिंग को नियंत्रित किया जाए, उसे सामान्य और गैर-आकर्षक बनाया जाए, स्पष्ट चेतावनियां लिखी जाएं और शराब को समाज में सम्मानजनक स्थान देने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगे। सरकार को भी स्वस्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शराब उद्योग की विपणन चालों को सीमित करें।

आज शराब का प्रसार केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं,बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक विघटन का बड़ा कारण बनता जा रहा है। शराब से जुड़े अपराधों और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है,विशेषकर महिलाओं के प्रति अत्याचार, घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और मानसिक प्रताड़ना का बड़ा कारक शराब ही बन रही है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ होने वाली लगभग आधी हिंसक घटनाओं में शराब प्रमुख भूमिका निभाती है। नशे में धुत्त पुरुष अक्सर पारिवारिक तनाव, गुस्से और असंतुलन के कारण महिलाओं पर अत्याचार कर बैठते हैं, जिससे न केवल उनका आत्मसम्मान टूटता है बल्कि पूरा परिवार भय, असुरक्षा और अपमान के वातावरण में जीने को मजबूर हो जाता है। शराब का यह प्रभाव किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं,बल्कि ग्रामीण से शहरी,गरीब से सम्पन्न वर्ग तक फैल चुका है और इसे अनदेखा करना अब समाज के लिए संभव नहीं।

चिंता का विषय यह भी है कि शराब अब केवल बार या नाइट क्लबों तक सीमित नहीं,बल्कि सामाजिक अवसरों-शादियों,जन्मदिनों, दफ्तर की पार्टियों, त्योहारों,यहां तक कि छोटे सामाजिक समारोहों में भी परोसी जाने लगी है। शराब को सामाजिकता का हिस्सा और आधुनिकता का प्रतीक बताकर जिस तरह से उसकी पैठ बे ाई जा रही है,वह एक खतरनाक सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। परिवारों में युवा पीढ़ी अपने बड़ों को शराब का उपभोग करते हुए देखकर इसे सामान्य मानने लगी है,जिससे किशोर अवस्था में ही शराब सेवन की शुरुआत हो जाती है। स्कूल-कॉलेज के छात्र फैशन, दबाव, दोस्तों की नकल और विज्ञापन जैसी पैकेजिंग के प्रभाव में आकर शराब की लत में डूब रहे हैं। यह पीढ़ी मानसिक एवं शारीरिक दोनों स्तर पर कमजोर होती जा रही है। शराब न केवल उनकी पढ़ाई, कैरियर एवं सोचने-समझने की क्षमता को नष्ट करती है, बल्कि भविष्य के परिवार एवं समाज की नींव तक को हिला देती है। इन बढ़ती चिन्ताओं का समाधान केवल कानून से नहीं,बल्कि सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक पुनर्संयम और परिवारों में जिम्मेदार व्यवहार से ही संभव है।

समाज तभी सुरक्षित हो सकता है जब हम शराब को आकर्षण का नहीं, विनाश का प्रतीक मानें। उसकी पैकेजिंग में चमक-दमक नहीं, चेतावनी झलके। उसका सेवन आधुनिकता नहीं,दुर्बलता समझा जाए। यह चेतना तभी बे ेगी जब कानून भी कठोर होंगे और समाज भी सजग। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी इसी दिशा में एक गंभीर कदम है, अब सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि इसे वास्तविक सुधार में बदला जाए।

तीन राज्यों में चेहरा बदला

...पर बिहार में भाजपा की राजनीति नीतीश पर आकर क्यों रुक गई?

रवि सिंह
कोरिया,छत्तीसगढ़

बिहार ने एक बार फिर वह कर दिखाया,जिसे भारतीय राजनीति में समझने की सबसे कम कोशिश की जाती है पर नीतीश कुमार को नज़रअंदाज़ करना आसान नहीं है, वह आदमी,जिसे विपक्ष ने यू-टर्न मशीन कहा और जिसे भाजपा ने कई बार वैकल्पिक बताया, आज फिर उसी भाजपा की सरकार का केंद्रीय स्तंभ बन गया,10 वीं बार मुख्यमंत्री यह सिर्फ़ शपथ ग्रहण नहीं था,यह एक संदेश था जहाँ तीन बड़े राज्यों में भाजपा ने अपने ही दिग्गजों को रातोंरात बदल दिया, वहीं बिहार में आते ही उसकी 'चेहरा बदलो' नीति ठहर क्यों गई? क्योंकि जवाब साफ़ है नीतीश को बदलने में रिस्क तीनों राज्यों के किसी भी पुराने मुख्यमंत्री को हटाने से बड़ा था।

बिहार बनाम छत्तीसगढ़-एमपी-राजस्थान भाजपा की दोहरी राजनीति

छत्तीसगढ़ में 15 साल वाले रमन सिंह को दरकिनार करना आसान था, मध्य प्रदेश में शिवराज के 18 साल की सत्ता को साइडलाइन करना भी,राजस्थान में वसुंधरा की पूरी राजनीतिक पहचान को फ्रीज कर देना भी,इन तीनों राज्यों में भाजपा अकेली निर्णायक ताकत थी, इनमें ऐसा कोई नेता नहीं था जिसकी कुर्सी हिलाने से पूरी सरकार गिरने का डर हो पर बिहार? बिहार पूरी तरह गठबंधन संतुलन की राजनीति पर टिका हुआ है, यहाँ हर निर्णय का असर सत्ता की स्थिरता पर सीधा पड़ता है,और सबसे बड़ा सच यह है बिहार में भाजपा समझती है कि 'नीतीश हटाओ' सरकार गिराओ,जहाँ छत्तीसगढ़- एमपी- राजस्थान में मुख्यमंत्री बदलने से सिर्फ असंतोष पैदा हुआ, वहीं बिहार में वही कदम सीधे सत्ता को अस्थिर कर सकता था।

क्या वाकई रमन-शिवराज-वसुंधरा,नीतीश से कमजोर साबित हुए?

राजनीतिक भाषा में एक सच्चाई बड़ी निर्मम है किसे पार्टी आसानी से हटा दे,और किसे हटाने से डर जाए,यही असली शक्ति संतुलन है, भाजपा ने तीनों राज्यों के बड़े चेहरों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर दी,पर बिहार में वही पार्टी,वही नेतृत्व, वही मॉडलज नीतीश पर आते ही ठंडा हो गया, कारण? क्योंकि नीतीश सिर्फ़ मुख्यमंत्री नहीं गठबंधन की सीमेंट हैं,उन्हें हटाना सिर्फ़ चेहरा बदलना नहीं, पूरा समीकरण हिलाना था, भाजपा यह रिस्क नहीं ले सकती थी,क्योंकि 2029 का लोकसभा चुनाव पास है,और बिहार की 40 सीटें दिल्ली की नसों में खून की तरह दौड़ती हैं।

नीतीश की राजनीति की ताकतः भाजपा को भी झुकना पड़ता है...

नीतीश कुमार भले कितने भी विवादों में फंसे हों,उनकी ताकत एक ही है बिना मेरे बिहार में स्थिर सरकार संभव नहीं,भाजपा यह बात समझती है,यही वजह है कि चेहरा बदलने की सुगबुगाहट आई, कैंडिडेट बदलने की अनुमानित रिपोर्टें आईं, सत्ता सूत्रों ने संकेत भी दिए पर जैसे ही फैसला आया,सब खाली,सब शांत,और मंच पर तस्वीर वही बीच में नीतीश,दोनों ओर भाजपा,इसलिए यह कहना गलत नहीं होगाः छत्तीसगढ़-एमपी-राजस्थान में भाजपा ने अपनी ताकत दिखाई, पर बिहार में नीतीश ने अपनी ताकत साबित कर दी।

इसका राजनीतिक निचोड़ः भाजपा को ज़रूरत है... मजबूरी नहीं छिपती...

भाजपा बिहार में आज दो कारणों से नीतीश को छोड़ नहीं सकती, बिहार की जातीय राजनीति बिना नीतीश के भाजपा के लिए सीधे पहाड़ है, 2029 का रास्ता बिहार से होकर ही निकलता है, भाजपा चाहे जितनी ताकतवर हो,कुछ राज्यों में स्थानीय नेता ही 'कुंजी' बन जाते हैं, और बिहार में यह कुंजी सिर्फ़ नीतीश हैं।

निष्कर्षः तीन राज्यों के दिग्गज बदले, पर नीतीश नहीं, यही उनका कद है

राजनीतिक विश्लेषण बेहद सरल है,और उतना ही कठोर भी भाजपा ने रमन को हटाया क्योंकि वह हटाए जा सकते थे,शिवराज को हटाया क्योंकि सत्ता स्थिर रहती, वसुंधरा को दरकिनार किया क्योंकि असर सीमित था,पर नीतीश? उन्हें छेड़ना मतलब सत्ता का संतुलन बिगाड़ना, और भाजपा ने इस बार जोखिम लेने से साफ़ इनकार कर दिया। इसलिए, सच यह है की तीन राज्यों में चेहरे बदले, पर बिहार में भाजपा का पूरा मॉडल नीतीश के आगे फेल हो गया, और यही नीतीश की सबसे बड़ी राजनीतिक जीत है।

दांपत्य जीवन को शर्मसार करती घटनाएं

सुधाकर आशावादी-विभूति फीचर्स

सामाजिक संबंधों की खूबसूरती जिन नैतिक और मर्यादित रिश्तों में दिखाई देती थी,वही रिश्ते आजकल दम तोड़ने लगे हैं। माता पिता के रिश्तों के उपरांत विवाह जैसा पवित्र बंधन जो आपसी विश्वास, समर्पण एवं त्याग का पर्याय हुआ करता था, वही आज ऐसे दोराहे पर खड़ा है,जहाँ पति अथवा पत्नी एक दूसरे पर विश्वास करने से कतरा रहे हैं। रिश्तों में अविश्वास एवं संदेह किन कारणों से उत्पन्न हो रहा है, यह शोध का विषय है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो समाज में विवाह जैसी संस्था का अस्तित्व बचाना ही समाजशास्त्रियों के लिए बड़ी चुनौती सिद्ध हो सकता है।

वस्तुस्थिति यह है कि संचार क्रांति युग में जहां नारी चेतना, पुरुष प्रधान समाज से मुक्ति सहित नारी सशक्तिकरण का विमर्श समाज में बराबरी का दर्जा पाने के लिए मुखर है। नारी ऐसे मोड़ पर है, जो आधी अधूरी परम्पराओं को अपने मतानुसार निभाने के लिए किसी भी स्तर पर जा सकती है तथा पुरुष अस्तित्व को नकार कर मनमानी करने पर आमादा है। ऐसे में बहुधा अपनी स्वच्छंदता के लिए वह आपराधिक षड्यंत्रों में खलनायिका की भूमिका का निर्वाह करने में भी संकोच का अनुभव नहीं कर रही है। यदि ऐसा न होता, तो कोई भी पत्नी पति, पत्नी और वो के अनैतिक विवाहेत्तर संबंधों के लिए अपने पति की हत्या में भागीदार न होती।

विगत कुछ वर्षों से ऐसे समाचार प्रकाश में आ रहे हैं, कि विवाहेत्तर संबंधों को निभाने के लिए पत्नी ने अपने प्रेमी की सहायता से अपने पति को मौत के घाट उतारने में संकोच नहीं किया है। ऐसी घटनाएं अब सिर्फ महानगरों तक ही सीमित नहीं रह गई हैं। अवैध और अनैतिक संबंधों का खेल अब महानगरों से लेकर गाँव स्तर तक अपने पाँव पसार चुका है। मेरठ में मुस्कान और साहिल के अनैतिक संबंधों के खेल से प्रकाश में आई यह कलंक कथा देश के अनेक भागों में दोहराई जा चुकी है। देश का कोई कोना ऐसा नहीं रह गया है, जहाँ संचार क्रांति के माध्यम से अनैतिक संबंधों की घटनाएं घर घर तक न पहुंची हो।

वासना में अंधे स्त्री या पुरुष ऐसी घटनाओं को देखकर कब अपने जीवन साथी को मौत के घाट उतारने का षड्यंत्र रचने लगे और कब कोई पति अपनी पत्नी से विश्वासघात करके उसे मौत के घाट उतार दे या कोई पत्नी कब अपने पति के लिए मृत्यु का कारण बन जाए, कहा नहीं जा सकता। ऐसी घटनाओं के पीछे गंभीर कारण क्या हैं, इन्हें भी समझना आवश्यक है। कहीं ऐसा तो नहीं, कि समाज में रिश्तों की मर्यादा का क्षरण होने के कारण व्यभिचार बढ़ रहा हो। भौतिक सुख सुविधाओं के लालच में अनैतिक संबंधों को बढ़ावा मिल रहा हो। कारण चाहे जो भी हों, किन्तु इन सबके मध्य वैवाहिक संबंधों में रिक्तता एवं अविश्वास गंभीर चिंता का विषय है।

आतंक ने पेश की नई चुनौती सावधान रहना जरूरी

भारत के प्रधानमंत्री प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की जिस प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हैं, उसके निकट एक भयावह आतंकी हमले ने कई सवाल खड़े किए हैं। आतंक के प्रति जीरो टालरेंस की सरकार की नीति और सुरक्षा प्रतिष्ठान की सक्रियता के चलते पिछले कुछ वर्षों से देश आतंकी हमलों से एक बड़ी हद तक सुरक्षित रहा है, लेकिन इस हमले ने सुरक्षा को लेकर बने भरोसे में सेंध लगाने का काम किया है। यह भी कहा जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ी साजिश को बेनकाब कर दिया और दिल्ली में हुआ धमाका उसी हताशा का परिणाम था। इससे कुछ समय पहले ही सुरक्षा एजेंसियों ने फरीदाबाद में डाक्टरों के एक आतंकी माड्यूल की धरपकड़ के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक भी

जब्त किया था।

माना जा रहा है कि इस एकाएक कार्रवाई से सकते में आए आतंकियों ने दिल्ली में बिना किसी योजना के धमाका कर अपनी भड़ास निकाली। भले ही इसे एकाएक किया गया आतंकी हमला कहा जा रहा हो, लेकिन इसमें निहित कुछ पहलुओं को कतई अनदेखा नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई जगह बेरोकटोक आवाजाही के बाद आतंकियों ने धमाके के लिए दिल्ली के एक प्रमुख स्थान को चुना। यह इलाका न केवल ऐतिहासिक रूप से महत्व रखता है, बल्कि वाणिज्यिक-सांस्कृतिक एवं पर्यटन गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र है। धमाके के लिए जो समय चुना गया, वह अपेक्षाकृत व्यस्तता वाला होता है। जाहिर है आतंकी ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहते थे। इससे आतंक से सुरक्षा को लेकर बना आवरण और भरोसे के भाव पर निश्चित ही चोट पहुंची है।

-हर्ष वी. पंत-

पूरी की जाए सस्ते कर्ज की जरूरत

निवेशकों का भरोसा जरूरी

महंगाई में आई गिरावट ने सस्ते कर्ज की नई संभावनाओं को जन्म दिया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की हालिया रिपोर्ट के अनुसार बीते अक्टूबर में खुदरा महंगाई घटकर पिछले दस वर्षों के न्यूनतम स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई,जबकि थोक महंगाई भी 27 महीने के निचले स्तर यानी शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे दर्ज की गई। यह गिरावट मुख्यतः सब्जियों, फलों, अंडों, फुटवियर, अनाज एवं उससे बने उत्पादों के साथ बिजली, परिवहन और संचार सेवाओं की कीमतों में कमी के कारण संभव हुई है। सितंबर से लागू जीएसटी दरों में कटौती का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिससे खाद्य वस्तुओं के दाम सर्वत्र कम हुए हैं। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में शाकाहारी थाली 17 प्रतिशत सस्ती होकर 27.8 रुपये की कीमत पर और मांसाहारी थाली 12 प्रतिशत सस्ती होकर 54.4 रुपये की दर पर उपलब्ध रही। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में औसत खुदरा महंगाई घटकर 2.5 प्रतिशत पर स्थिर रह सकती है,जो पिछले वर्ष की 4.6 प्रतिशत दर की तुलना में काफी कम है। इससे अगले महीने होने वाली आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई है, ताकि विकास को नई गति मिल सके। इन दिनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की रिपोर्ट में यह बात रेखांकित की जा रही है कि टैक्स और महंगाई में गिरावट से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ रही है तथा देश की क्रेडिट रेटिंग भी सुधर रही है। इसके बावजूद तीव्र आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए कर्ज सस्ता करने की आवश्यकता बनी हुई है। मूडीज की ग्लोबल मैक्रो आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ऊंचे आयात शुल्क लगाए जाने के बावजूद कम महंगाई और आर्थिक आधारभूत मजबूती के चलते भारत चालू वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ जी-20 देशों में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

-डॉ. जयंतीलाल भंडारी-

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

सीजीपीएससी में सरगुजा के एक बेटी व दो बेटों ने लहराया परचम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) द्वारा 2024 के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं, और इन परिणामों में सरगुजा जिले के तीन युवा अभ्यर्थियों ने महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। मैनपाट की बेटी ललिता पैंकरा ने एसटी कैटेगरी में पहले रैंक के साथ डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित होकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके अलावा, सीतापुर के मयंक मंडावी ने एसटी कैटेगरी में दूसरे स्थान प्राप्त किया है और वे भी डिप्टी कलेक्टर बने हैं। वहीं, सीतापुर के ही प्रसून गुप्ता को 36वां रैंक मिला है, और वे डीएसपी बनने के लिए पात्र हो सकते हैं। मैनपाट के काराबेल गांव की निवासी चंचल पैंकरा ने अपनी मेहनत और संघर्ष से यह सफलता हासिल की है। चंर्च के पिता रघुबर प्रसाद पैंकरा और मां शुन्तिला पैंकरा दोनों किसान हैं और सब्जी की दुकान चलाते हैं। चंचल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मैनपाट से ही पूरी की और फिर बीई सिविल की डिग्री प्राप्त की। हालांकि, जब चंचल ने पहली बार सीजीपीएससी परीक्षा दी थी, तो सफलता नहीं मिल पाई थी, लेकिन उनके पिता ने उनकी मेहनत और समर्पण को देखते हुए उन्हें कोचिंग के लिए बिलासपुर भेजने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने कुछ ज़मीनें बेचकर चंचल के सपनों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाया। चंचल की मेहनत रंग लाई, और उन्होंने 2024 की सीजीपीएससी परीक्षा में एसटी कैटेगरी में पहला रैंक प्राप्त किया। इसके साथ ही उनका ओवरऑल रैंक 204 रहा, जो इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। चंचल के माता-पिता इस सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं और लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस सफलता को हासिल करने के बाद चंचल के लिए डिप्टी कलेक्टर के पद पर कार्यरत होने का रास्ता साफ हो गया है।

मयंक मंडावी का उदय : सीतापुर के कटनईपारा गांव के निवासी मयंक मंडावी ने भी एसटी कैटेगरी में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। मयंक के पिता रमेश सिंह मंडावी वन विभाग में कार्यरत हैं, जबकि उनकी मां देवमति सिंह गृहिणी हैं। मयंक फिलहाल जीएसटी विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। सीजीपीएससी परीक्षा में दूसरे स्थान पर आने के बाद वे डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित हुए हैं। मयंक ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की है। उनका यह मार्गदर्शन उनकी मां और पिता ने किया, जिन्होंने हमेशा उनका हौसला बढ़ाया। मयंक के चयन के बाद उनके परिवार और परिचितों द्वारा उन्हें बधाइयों का तांता लग गया है।

प्रसून गुप्ता की सफलता

सीतापुर के ही प्रसून गुप्ता ने सीजीपीएससी 2024 में 36 वां रैंक हासिल किया है। प्रसून का यह सफर भी संघर्ष और मेहनत से भरा हुआ था। वे फिलहाल जिला जेल जशपुर में जेल अधीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। प्रसून ने चार बार पीएसपी परीक्षा दी थी और हर बार साक्षात्कार तक पहुंचे थे। इस बार उन्हें 36 वां रैंक मिला है, जिसके बाद उनके डीएसपी बनने की संभावना प्रबल हो गई है। प्रसून के माता-पिता, सुखसागर गुप्ता (जो सेवानिवृत्त प्रधान पाठक हैं) और मंजुलता गुप्ता (जो शिक्षिका हैं), उनके इस सफलता में प्रमुख भूमिका निभाई है। प्रसून का यह मार्गदर्शन उनके बड़े भाई नीरज गुप्ता ने भी किया, जो स्वयं एक शिक्षक हैं। प्रसून की यह सफलता उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है।

समग्र रूप से सरगुजा में खुशी का माहौल

इन तीनों अभ्यर्थियों की सफलता ने सरगुजा जिले में खुशी का माहौल बना दिया है। चंचल,मयंक और प्रसून की कड़ी मेहनत और संघर्ष ने यह सिद्ध कर दिया है कि अगर व्यक्ति अपनी मेहनत में विश्वास रखता है, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। इनकी सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि समूचे सरगुजा क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है। चंचल मयंक और प्रसून के इस सफलता पर उनके परिजन, मित्र, और परिचितों द्वारा उन्हें लगातार शुभकामनाएं दी जा रही हैं। सीजीपीएससी 2024 के परिणामों ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और समर्पण से कोई भी सपना साकार हो सकता है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ओड़गी में सड़क एवं पुलिया निर्माण का किया औचक निरीक्षण

गुणवत्ता पर नाराजगी,पुनः निर्माण और कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के धरसेड़ी-कर्री-कुप्पी मार्ग पर लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित सड़क और पुलिया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने नव-निर्मित सड़क की गुणवत्ता, सामग्री के उपयोग तथा संपूर्ण निर्माण प्रक्रिया का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। निरीक्षण में यह स्पष्ट हुआ कि सड़क के कई हिस्सों में निर्माण मानकों का समुचित पालन नहीं किया गया है और कार्य अभी भी अधूरा है। इस पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को पूरे मार्ग का पुनः निर्माण मानक गुणवत्ता के साथ कराने तथा निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें आमजन की जीवनरेखा हैं, जिस पर आवागमन, एम्बुलेंस सुविधा,बच्चों की स्कूल पहुँच और आवश्यक सेवाओं की निर्भरता होती है। इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारी,ओड़गी क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास के मामले में शामिल 6 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मारपीट के दौरान जानलेवा हमला किए जाने के मामले में लखनपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलापु कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रार्थी लोखन राम साकिन गोरता थाना लखनपुर का रहने वाला है। वह 6 सितंबर को लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घटना दिवस 6 सितंबर को प्रार्थी रात्रि करीबन 8.30 बजे अपने भाई मुकेश्वर को गोरता झवरपारा गणेश पंडाल के पास से लेकर वापस घर आ रहा था तभी पंडाल से थोड़ा आगे झवरपारा के मुकेश दास, शिवलाल,उमेश कुमार,एतवार साय एवं अन्य आरोपियों द्वारा मिलकर गाली गलौज करते हुए गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का एवं डंडे से मारपीट करने लगे, एवं मुकेश्वर बीच बचाव करने लगा लड़ाई झगड़ा को देखकर प्रार्थी के बड़े पिताजी मोहित राम राजवाड़े आय और लड़ाई झगड़ा क्यू कर रहे हो बोले तब आरोपियों द्वारा मिलकर मोहित राम राजवाड़े को भी गाली गलौज करते हुए हाथ मुक्का एवं डंडे से मारपीट कर सर मे गंभीर चोट कारित किया गया है, बीच बचाव करने मे मुकेश्वर को भी चोट आया है, घटना को आस पास के लोग देखे है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लखनपुर में धारा 296(ख),351(3), 115(2), 3(5) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी एवं गवाहों का कथन लेख कर घटना स्थल निरीक्षण कर मुलाहिजा रिपोर्ट आहत मोहित राम के सी टी स्कैन खुलासा रिपोर्ट एवं सी. टी स्कैन क्वेरी रिपोर्ट के आधार पर पाया गया कि घटना दिनांक को आरोपीगण एक राय होकर प्रार्थी लोखन राम, मुकेश्वर एवं मोहित राम राजवाड़े को डंडा एवं हाथ मुक्का से मारपीट किये है आहत मोहित राम के सर मे आयी चोट का खुलासा डॉ साहब से करवाने पर चोट गंभीर प्रकृति का होना एवं उक्त चोट से मृत्यु सम्भाव्य होना लेख किया गया है,जिससे मामले में धारा 109 बीएनएस जोड़कर प्रकरण के आरोपियों का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा अपना नाम 2 महिला आरोपी समेत,मुकेश कुमार पिता एतवार साय उम्र 36 वर्ष,शिवलाल दास पिता स्व बंधन उम्र 45 वर्ष, उमेश कुमार पिता एतवार साय उम्र 27 वर्ष, एतवार साय पिता स्व. बंधन उम्र 58 वर्ष सभी साकिनन गोरता झवरपारा थाना लखनपुर का होना बताये, आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किया गया, जो आरोपीयों द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, प्रकरण मे 06 आरोपियों द्वारा एक राय होकर घटना कारित किये जाने पर प्रकरण मे धारा 3(5) बी.एन.एस. हटाकर मामले मे 190, 191(3) बी.एन. एस. जोड़ी गयी, आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त डंडा जप्त किया गया है, आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'भारत में क्षेत्रीय विकास के मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी सम्पन्न

संत गहीरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र लाखपाले रहे मुख्य अतिथि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर में 'भारत में क्षेत्रीय विकास के मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अंबिकापुर के कुलपति प्रोफेसर श्री राजेंद्र लाखपाले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति महोदय ने महाविद्यालय के प्राचार्य, शोध संगोष्ठी के संयोजक तथा आयोजक मंडल को सफल आयोजन हेतु बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजनों से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को समकालीन क्षेत्रीय चुनौतियों की पहचान करने तथा उनके समाधान हेतु नवीन शोध कार्यों की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। अपने उद्बोधन में उन्होंने सरगुजा अंचल में आयोजित होने वाले शोध-केंद्रित कार्यक्रमों की आवश्यकता और उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर गंभीर विमर्श से समाज और शासन प्रणाली के लिए उपयोगी शोध दृष्टिकोण विकसित होता है। संगोष्ठी के समापन अवसर पर प्रो. राजेंद्र लाखपाले ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में उच्च शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान भारत के भविष्य की मजबूत नींव हैं, जिन पर विकसित भारत का निर्माण होगा। वहीं अंत में कुलपति ने पूरे आयोजक दल और महाविद्यालय परिवार को सफल एवं सार्थक संगोष्ठी हेतु शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने किया राज्य स्तरीय 'आवास मेला 2025' के लोगो का अनावरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा राज्य के नागरिकों को आवासीय योजनाओं की संपूर्ण जानकारी एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु राज्य स्तरीय आवास मेला 2025 का आयोजन 23, 24 एवं 25 नवंबर को रायपुर के शंकर नगर स्थित टीडब्ल्यूसी ग्राउंड में किया जा रहा है। इसी क्रम में आज मेले के लोगो (प्रतीक चिन्ह) का अनावरण मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव द्वारा गृह निर्माण मंडल मुख्यालय में किया गया। इस अवसर पर हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त श्री अवनीश शरण (आईएएस) सहित मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्यक्ष तथा ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ आवास उपलब्ध कराना गृह निर्माण मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'आवास मेला 2025' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहाँ मंडल की विभिन्न आवासीय योजनाओं और संपत्तियों की जानकारी एक ही स्थान पर नागरिकों को प्राप्त होगी।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल राज्य के विभिन्न स्थानों में लगभग 2000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ कर रहा है। इनके सहयोग और नेतृत्व से मंडल प्रभावी रूप से आवास योजनाओं का क्रियान्वयन कर पा रहा है।

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज की अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रमुख उपलब्धि,सीएर्न सेल ने किया शोध पत्र प्रस्तुत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय,अंबिकापुर के सीएनई सेल ने केवल एक वर्ष में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। इस सेल द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र ने उत्तराखंड, नैनीताल में आयोजित तीन दिवसीय विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी जगह बनाई। इस सम्मेलन का आयोजन डब्ल्यूएचओ के सहयोग से 'पाल ग्रुप', नैनीताल ने किया था, जिसमें देश-विदेश के विशेषज्ञों ने भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त करने के विषय पर चर्चा की। अंबिकापुर से इस सम्मेलन में तीन नर्सिंग पेशेवरों, दीपिका तिर्की (नर्सिंग सिस्टर), प्रिया परीडा (स्टाफ नर्स) और संगीता सिंह (स्टाफ नर्स) ने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। प्रिया परीडा ने 'एम्पोवेरिंग फॉर ट्रांस-डिसिप्लिनरी केयर फॉर प्रोफेशनल्स थ्रू कंटीन्यूअस इन-सर्विस एजुकेशन, क्वालिटी केयर डिलीवरी एट गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल अंबिकापुर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनका शोध इस बात पर जोर देता है कि निरंतर नर्सिंग शिक्षा (सीएनई) के माध्यम से नर्सिंग और स्वास्थ्य कर्मियों की दक्षता में वृद्धि कर संस्थान में उपचार और देखभाल की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। इस शोध प्रस्तुति का उद्देश्य नर्सिंग और स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए निरंतर प्रशिक्षण और पेशेवर विकास के महत्व को रेखांकित करना था। यह कदम न केवल नर्सिंग पेशेवरों के कौशल में सुधार करता है, बल्कि मरीजों को बेहतर और संवेदनशील देखभाल प्रदान करने के लिए भी सहायक है। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल छत्तीसगढ़ का पहला संस्थान है, जहां औपचारिक सीएनई सेल का गठन किया गया है। इस सेल के माध्यम से नर्सिंग स्टाफ को नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है,जिससे मरीज-केन्द्रित संवेदनशील देखभाल,पेशेवर और सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा मिल रहा है। इस दिशा में यह संस्थान एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है, और प्रिया परीडा का शोध इस बदलाव को साबित करता है। अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम और अस्पताल अधीक्षक डॉ. आरसी आर्या ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई दी और कहा कि यह न केवल संस्थान के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधान आरक्षक के समर्थन में कश्यप समाज ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कुछ दिन पूर्व हुए अधिवक्ता व प्रधान आरक्षक के बीच मारपीट की घटना सामाजिक तुल पकड़ लिया है। 17 नवंबर की रात को कार बैक करने की बात पर प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप द्वारा अधिवक्ता राजेश तवारी उनकी पत्नी व बेटे राहुल तिवारी के साथ मारपीट की गई थी। राजेश तिवारी ने प्रधान आरक्षक व उसके भाई संदीप कश्यप के खिलाफ गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना के दूसरे दिन अधिवक्ता ने अपने सामाज के लोगों के साथ पहुंचकर एसपी को ज्ञापन सौंपकर कठोर कार्रवाई की मांग की है। जबकि एसपी ने प्रधान आरक्षक को लाइन अटैच कर दिया गया है। शुक्रवार को प्रधान आरक्षक ने अपने कश्यपक सामाज व पुलिस परिवार के साथ एसपी को ज्ञापन सौंपा है। प्रधान आरक्षक ने एसपी से गुहार लगाया है कि मामले में एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच कराकर दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कश्यप समाज का आरोप है कि एक पक्षीय कार्रवाई की जा रही है और राजनीतिक दबाव बनाकर संतोष कश्यप के खिलाफ अपराध दर्ज कराया गया है। वही कश्यप समाज के पूर्व अध्यक्ष संतोष कश्यप ने कहा है कि पुलिस आरक्षक संतोष कश्यप के ऊपर एफआईआर को समाप्त करें और निष्पक्ष जांच करने की मांग भी किया गया है। प्रधान आरक्षक संतोष कश्यप ड्यूटी के दौरान घर वापसी करते समय मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है साथ ही शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न करना कितना सही है वहीं पूरे मामले को लेकर कश्यप समाज अब आरपार की लड़ाई लडने् को तैयार हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिज्ञ परिषद चुनाव : अधिवक्ता जनार्दन त्रिपाठी ने रचा इतिहास,लगातार दूसरी बार राज्य विधिज्ञ परिषद के सदस्य निर्वाचित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य विधिज्ञ परिषद के हाल ही में सम्पन्न चुनाव में अंबिकापुर जिला अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ,लोकप्रिय और प्रतिष्ठित सदस्य अधिवक्ता जनार्दन कुमार त्रिपाठी ने एक बार फिर अपना परचम लहराया है। 30 अक्टूबर 2025 को हुए मतदान में प्रदेशभर के अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया,जिसमें त्रिपाठी ने उल्लेखनीय जीत दर्ज करते हुए 25 निर्वाचित सदस्यों में अपना स्थान सुरक्षित किया। जनार्दन त्रिपाठी को प्रदेश के सभी जिलों से व्यापक समर्थन मिला,जो उनके प्रति अधिवक्ता समुदाय के विश्वास, सम्मान और उनके प्रभावशाली नेतृत्व का सशक्त प्रमाण है। यह उनकी लगातार दूसरी विजय है, जो उनके निरंतर कार्य, न्याय व्यवस्था के प्रति समर्पण और अधिवक्ता हितों के संरक्षण हेतु अथक प्रयासों को दर्शाती है। विदित हो कि छत्तीसगढ़ राज्य विधिज्ञ परिषद का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के अधिवक्ताओं के लिए नीतियाँ तैयार करना, उनके कल्याण हेतु योजनाएँ बनाना और आवश्यक फंडिंग की व्यवस्था करना है। विजय के बाद अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अधिवक्ता जनार्दन कुमार त्रिपाठी ने सरगुजा जिला सहित पूरे राज्य के अधिवक्ताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे परिषद के माध्यम से अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट, अधिवक्ताओं के सर्वांगीण विकास, सुविधाओं के विस्तार और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को अपनी प्राथमिकता बनाए रखेंगे। अधिवक्ता समुदाय ने जनार्दन त्रिपाठी को शानदार विजय के लिए बधाई देते हुए इसे अधिवक्ता हितों की मजबूत आवाज के रूप में देखा है।

सेटिंग खत्म... चलो जुआ पकड़े हम !

मानी जंगल से साइबर की टीम ने पकड़े पांच जुआरी,पर क्या यह कार्रवाई खुद को 'पाक-साफ' साबित करने की कोशिश?

मानी जंगल में तंबू लगाकर चलता था करोड़ों का जुआ,कार्रवाई तो हुई पर मास्टरमाइंड फिर भी बाहर

चार महीनों से चल रहे अवैध जुआ नेटवर्क को दैनिक घटती-घटना ने बेनकाब किया,और उसी के दबाव में आखिरकार कार्रवाई हुई...

- साइबर टीम पर संरक्षण के आरोपों के बाद अचानक हुई कार्रवाई सवालों के घेरे में...
- पूर्व में प्रकाशित खबर से एक्सपोज़ होने के बाद कार्रवाई...पर सवाल और बड़े...
- मानी-उदयपुर के जंगलों में करोड़ों का जुआ तंबू उखड़ा...पाँच गिरफ्तार मास्टरमाइंड अब भी बाहर...
- सवाल–मानी में रोज़ 40-50 जुआरी बैठते थे,पर पकड़े सिर्फ पाँच? करोड़ों का फड़ कहाँ गया? किसने सुरक्षा दी?

-शमरोज खान-

सूरजपुर,21 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। जिले के सरहदी इलाके मानी-उदयपुर के घने जंगलों में लंबे समय से करोड़ों का जुआ तंबू लगाकर संचालित हो रहा था,यह कोई छोटा-मोटा जुआ नहीं,बल्कि एक ऐसा 'जुआ फड़' था जिसमें जिले-सूरजपुर के नामचीन चेहरों की बैठकी होती थी,यह वही जगह है जहाँ से अवैध कारोबार वर्षों से फलता-फूलता रहा,और यह वही मामला है जिसे दैनिक घटती-घटना ने लगातार उजागर किया,खबरें प्रकाशित होने के बाद तंबू उखड़ गया,जुआ बंद हुआ,पर चोरी-छिपे खेल जारी रहा। फर्क बस इतना कि बड़े नामचीन चेहरे पीछे हट गए,और एक बार फिर जुआ का अड्डा सरककर उदयपुर थाना क्षेत्र की ओर खिसक गया,पर सबसे बड़ा सवाल–जिन्हें पकड़ना था वे हाथ नहीं गए...और जिन्हें पकड़ना आसान था, वही थम गए!

दैनिक घटती-घटना की तीन बड़ी रिपोर्टों का असर,जंगल से तंबू उखड़ा,फड़ उठा,और पुलिस दबाव में आई...

15,16 और 17 नवंबर को दैनिक घटती-घटना ने तीन हाई-इम्पैक्ट एक्सपोज़ प्रकाशित किए 'मानी में रोज़ाना 50 लाख का जुआ!' 'जंगल में तंबू... और तंबू के नीचे करोड़ों का जुआ!' 'हज से लौटा संचालक... जिसने कहा था 'जुआ हराम है' फिर फड़ चला रहा!' इन रिपोर्टों में चार महीने से चल रहे कथित जुआ रैकेट,नामचीन संचालकों,पुलिस से संभावित गठजोड़,तंबुओं, जंगल अड्डों और करोड़ों के दांव का पूरा खुलासा हुआ। इन खुलासों के बाद जंगलों से तंबू समेट दिए गए,गुप्त अड्डे खाली हुए,और बड़े संचालक भूमिगत हो गए ठीक इसी के बाद 20 नवंबर की रात पुलिस हरकत में आई।

सवालों में साइबर टीम...

जिस टीम पर संरक्षण के आरोप थे,उसी ने कार्रवाई कर अपना दाग धोने की कोशिश की?, लंबे समय से सूरजपुर साइबर टीम के प्रभारी पर इस फड़ को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे, जुआरी खुद पत्रकारों को फोन कर खबर न चलाने की गुहार लगा रहे थे,कई बार यह आरोप भी लगा कि साइबर प्रभारी की मौजूदगी में जुआ 'सुरक्षित' चलता था,प्रभारी को बदलने की मांग भी लगातार उठती रही,लेकिन कार्रवाई तब हुई जब दैनिक घटती-घटना ने चुभते हुए सवाल उठाए,और साइबर टीम पर उंगलियाँ उठीं,और जैसे ही उनकी फजीहत हुई,टीम हरकत में आ गई और पांच जुआरियों को पकड़कर कोतवाली पुलिस को थमा दिया...ताकि खुद को 'पाक-साफ' साबित किया जा सके, मगर सवाल बना ही है इतने दिनों तक क्या कर रहे थे? और जब पकड़े भी तो मास्टरमाइंड कहाँ गायब?

विवेचना में कोतवाली पुलिस ने दिखाई कड़ाई,एसपी के निर्देश पर तगड़ी कार्रवाई, ताकि दोबारा कोई तंबू न लगा सके...

साइबर टीम ने पकड़कर फाइल तो कोतवाली के हवाले कर दी, पर उसके बाद वास्तविक कार्रवाई कोतवाली पुलिस ने की,एसपी प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर सूरजपुर पुलिस ने जंगल में घेराबंदी की, वेश बदलकर दबिश दी,और पांच जुआरियों को मौके से रंगे हाथों गिरफ्तार किया पर सबसे बड़ा मुद्दा,खबरों में जिस स्तर के 'बड़े जुआ' की बात थी,वैसा रकम बरामद नहीं हुआ,जिससे सवाल और गहरा गया कि आखिर मास्टरमाइंड कौन बचा लिया गया?

घटती घटना
कोरिया- सूरजपुर समाचार
अम्बिकापुर, बुधवार 19 नवम्बर 2025
5

हज से लौटा संचालक... जिसने खुद कहा था 'जुआ हराम हैं' फिर फड़ चला रहा!

घटती घटना
सरगुजा - अंतर्राष्ट्रीय समाचार
अम्बिकापुर, रविवार 16 नवम्बर 2025
4

मानी में रोजाना 50 लाख का जुआ! चार महीने से चल रहा कथित खेल,पुलिस खामोशःसूत्र

'शिकायत करो, कुछ नहीं होगा,मानी में जुआ संचालित करने वालों का दावा? जांच की मांग तेज

- सूरजपुर में अवैध जुए का बड़ा नेटवर्क...नामों की चर्चा,कार्रवाही गायब...
- चार महीनों से जुआ रैकेट सक्रिय? मानी में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल
- जुए के धंधे पर पुलिस की चुप्पी क्यों? मानी में करोड़ों का कथित खेल उजागर

घटती घटना
सरगुजा - अंतर्राष्ट्रीय समाचार
अम्बिकापुर, सोमवार 17 नवम्बर 2025
4

जंगल में तंबू और तंबू के नीचे करोड़ों का जुआ...क्या पुलिस खुद संरक्षक? सूरजपुर के मानी जंगल में रोज़ करोड़ों का दांव!

सूरजपुर-उदयपुर की सीमा बनी अवैध जुआ का अड्डा...चार दिन में 1 करोड़ की कमाई–शमशेर गैंग का खुलासा

- पार्षद, पुलिसकर्मी का भाई और बाहरी जुआरी,जंगल में बड़ा रैकेट
- क्या पुलिस तंबू लगाकर जुआ चलवा रही है? जनता के सवाल तेज़
- मानी जंगल में रोजाना 40-50 जुआरी,पुलिस का 'ज़ीरो' एक्शन

मानी जंगल से 5 जुआरी गिरफ्तार

नगदी,मोबाइल और बाइक जब्त- डीआईजी व एसएसपी के निर्देश पर सूरजपुर पुलिस ने की कार्रवाई 20 नवंबर की रात मुखबिर की सूचना पर थाना सूरजपुर की टीम मानी नर्सरी जंगल पहुँची। यहाँ घेराबंदी कर इन जुआरियों को पकड़ा गया,शिवराज राजवाड़े,36 वर्ष, केनापारा, रामवृक्ष राजवाड़े,41 वर्ष, सपकरा,धनसाय राजवाड़े,25 वर्ष, केनापारा,बृजेश पाण्डेय,25 वर्ष, सलका,दर्पण राजवाड़े,36 वर्ष,सपकरा से मौके से जब्त किया गया 19,880 नकद,4 मोबाइल, 1 बाइक जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई है कार्यवाही में थानेदार विमलेश दुबे व टीम सक्रिय रही।

साइबर टीम पर उठे आरोपों के बाद अचानक हुई कार्रवाई

क्या यह 'अपने को पाक-साफ' दिखाने की कोशिश?- लंबे समय से साइबर टीम के प्रभारी पर संरक्षण के आरोप लगते रहे हैं,जुआरियों ने खुद पत्रकारों से कहा था कि 'खबर मत छापो... व्यवस्था से बात हो गई है ',लेकिन दैनिक घटती-घटना ने खबर चलाई,पूरा सिस्टम हिल गया,सवाल उठे,और साइबर टीम की फजीहत शुरू हुई,इसी दबाव के बाद साइबर टीम ने पाँच जुआरी पकड़े और फाइल कोतवाली के हवाले कर दी...ताकि उनकी भूमिका पर उठे सवाल दब जाएँ।

फिर भी सवाल कायम...

- मास्टरमाइंड कहाँ गायब?
- संरक्षण कौन देता था?
- बड़े फड़ से सिर्फ 19,880 कैसे मिले?
- क्या यह कार्रवाई वास्तविक है या छवि-सुधार?
- जहाँ रोज़ 40-50 जुआरी बैठते थे,वहाँ पुलिस को सिर्फ पाँच ही क्यों मिले?
- चार दिनों में 1 करोड़ की कमाई का दावा था,फिर कुल रकम सिर्फ 19,880 कैसे?
- जो संचालक चार महीने से फड़ चला रहे थे,वे कहाँ गायब हो गए?
- क्या पुलिस ने छोटी मछलियां पकडी और बड़े नामों को निकल जाने दिया?

निष्कर्ष

दैनिक घटती-घटना ने अपना काम कर दिया- दैनिक घटती-घटना हमेशा की तरह सवाल पूछती रहेगी क्योंकि अवैध तंबुओं में चलने वाला जुआ खत्म हो,यही जिले के सम्मान और समाज की सुरक्षा का सवाल है,सच को सामने रखा,जंगल का अड्डा उजागर किया, सिस्टम को जगाया, और कार्रवाई करवाने पर मजबूर कर दिया। अब बारी प्रशासन की है क्या वे आधी कार्रवाई पर रुकेंगे,या पूरी सच्चाई सामने लाएंगे?

व्यापार समाचार

सेंसेक्स 401 अंक गिरकर 85,232 पर बंद : निफ्टी भी 124 अंक लुढ़का,बैंकिंग,रियल्टी और मेटल शेयरों की में ज्यादा बिकवाली

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। शेयर बाजार में पिछले दो दिनों से जारी तेजी पर हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को विराम लगा और शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 400 अंक लुढ़क गया, जबकि एनएसई का निफ्टी 124 अंक टूटा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 400.76 अंक यानी 0.47 फीसदी लुढ़कर 85,231.92 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 444.84 अंक तक फिसल गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 124.00 अंक यानी 0.47 अंक फिसल कर 26,068.15 के स्तर पर बंद हुआ है। पिछले दो सत्र में यह एक फीसदी

यानी 282 अंक से अधिक चढ़कर 26,000 के पार पहुंच गया था। कारोबार के अंत में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई के सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इटर्नल के शेयर में गिरावट आई। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और आईटीसी शामिल हैं।

कारोबारियों के अनुसार कमजोर वैश्विक रुझानों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में गिरावट आई। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि वेतन आंकड़ों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कम कर दिया। इससे वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा कमजोर हुई। एआई से संबंधित शेयरों में जरूरत से अधिक तेजी को लेकर चिंता ने भी वैश्विक बाजारों में निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। एशिया के अन्य शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में 3.79 फीसदी, चीन के एसएसई कम्पोजिट में 2.45 फीसदी, जापान के निक्की में 225 2.40 फीसदी और हांगकांग के हैंगसेंग में 2.38 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर तक गिरावट का रुख था। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले गुरुवार को 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 446.21 अंक उछल कर 85,632.68 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 139.50 अंक की बढ़त के साथ 26,192.15 के स्तर पर बंद हुआ था।

म्यूचुअल फंड का दायरा बढ़ाने के लिए रिट्स को सूचकांकों में शामिल करने पर हो रहा विचार : सेबी प्रमुख

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे शुक्रवार को आरईआईटी और इनविट के राष्ट्रीय सम्मेलन पर बोलते हुए कहा कि नियामक रियल एस्टेट निवेश ट्रस्टों (रिट्स) को बाजार सूचकांकों में शामिल करने पर विचार कर रहा है। इस कदम का उद्देश्य इस क्षेत्र में तरलता, दृश्यता और संस्थागत भागीदारी में सुधार लाना है। इस कदम के साथ ही रिट्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश ट्रस्ट्स दोनों तक म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए भी उपाय किए जा रहे हैं। पांडे ने कहा कि यह उपकरण भारत के अवसंरचना वित्तपोषण के

अगले चरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और अगर तरलता और निवेशक दोनों की ही भागीदारी सार्थक रूप से अच्छी होती है तो यह घरेलू और वैश्विक दोनों पूंजी को आकर्षित कर सकते हैं। पांडे ने कहा आरईआईटी को इक्विटी के रूप में माना जाएगा और इनविट्स को हाइब्रिड उपकरणों के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियामक रिट्स और इनविट्स दोनों में ही एक्सपोजर की अनुमति देने के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड्स के पूल का विस्तार करेगा। इसके लागू होने के बाद रिट्स के लिए सूचकांक समावेशन स्वाभाविक रूप से अधिक संस्थागत निवेश को आकर्षिक करेगा और द्वितीयक बाजार की गतिविधियों को भी मजबूत करेगा।

सेबी प्रमुख ने बताया कि नियमित वितरण और विनियमित संरचनाओं की पेशकश करने वाले उत्पादों के बाद भी रिट्स और इनविट्स में रिटेल भागीदारी कम है। उन्होंने कहा कि निवेशक आधार का विस्तार करने और नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और संचार में सुधार करने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

प्रथम नगर पंचायत पटना के सीएमओ पूरे सिस्टम को चिढ़ा रहे...और यह संदेश दे रहे है कि भ्रष्टाचार हमसे होगा पर कार्यवाही हम पर नहीं होगी...

भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद सीएमओ के संरक्षण पर सवाल, साफ है क्या सरकार में भ्रष्टाचारियों के लिए सब कुछ माफ है?

क्या भ्रष्टाचार मामले में सरकार का रुख संरक्षण प्रदान करने वाला है...

नगर पंचायत पटना के सीएमओ पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप हैं,आरोप लगभग साबित भी हो चुके हैं लेकिन कार्यवाही के नाम पर कोई सुगबुगाहट शुरू नहीं हुई है,सीएमओ जब भ्रष्टाचार में फंसते नजर आए उन्हें छुट्टी पर भेजा गया था और अब वह लौट आए हैं,अब सवाल यह उठता है कि क्या भ्रष्टाचार के मामले में सरकार का रुख संरक्षण प्रदान करने वाला है इसलिए सीएमओ साहब स्पष्ट भ्रष्टाचार कर बचे हुए हैं और कार्यवाही तो दूर उनके स्पष्टीकरण तक की मांग नहीं की गई है।

-रवि सिंह-

कोरिया/पटना, 21 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। क्या अब राजनीति का अर्थ सिर्फ सत्ता, और सत्ता का अर्थ सिर्फ संरक्षण बनकर रह गया है? क्या वही नौकरशाह जिन्होंने जनता की सेवा करनी थी, अब सत्ता की ढाल लेकर खुलेआम सरकारी पैसों का बंदरबांट कर रहे हैं? और सबसे बड़ा सवाल–क्या सरकार का संदेश साफ है कि भ्रष्टाचार तुमसे होगा, लेकिन कार्यवाही तुम पर नहीं होगी? नगर पंचायत पटना का ताजा मामला यही साबित कर रहा है कि अब व्यवस्था की रीढ़ इतनी टेढ़ी हो चुकी है कि सच बोलने वाला भी अकेला पड़ जाता है और गलत करने वाला छुट्टियों पर भेजकर वापस हीरो की तरह लौटा दिया जाता है।

क्या राजनीतिक पार्टी सत्ता में इसलिए आना चाहती हैं ताकि नौकर शाह को खुली छूट वह देकर भ्रष्टाचार कर सकें और सरकारी पैसों की बंदर बाट वह कर सकें ? क्या यही वजह है कि नौकरशाह सरकारी पैसे का भ्रष्टाचार कर बंदर बांट करने लगते हैं और उन्हें इस बात का भरोसा होता है कि उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी? क्या अब सत्ता में आकर सरकारी पैसे का दुरुपयोग ही अब उद्देश्य रह गया है? निष्पक्ष सत्ता की कल्पना अब अधूरी सी लगने लगी है, नौकरशाहों को प्रोत्साहित किया जा रहा भ्रष्टाचार के लिए? उसके बाद शिकायत और मामला उजागर होने के बाद कार्रवाई धरातल पर दिखती नहीं,अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा क्यों कह रहे हैं तो ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि आज के परिवेश में कुछ ऐसा ही दिख रहा है, अभी ताजा मामला कोरिया जिले के नवगठित नगर पंचायत पटना का है जहां पर अनियमितताओं व भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे सीएमओ पर गंभीर आरोप है, जांच में भी अनियमितता पाई गई पर कार्यवाही तो मानो न जाने किसका इंतजार कर रही हो? मामला जब सुर्खियों में आया और किरकिरी होने लगी तो कुछ दिनों के लिए सीएमओ को छुट्टी पर भेज दिया गया और यह जानकारी फैलाई गई कि अब वह छुट्टी से वापस नहीं आएंगे,क्योंकि उनका तब तक स्थानांतरण हो जाया रहेगा पर ऐसा कुछ हुआ नहीं और बताया जा रहा है कि यह पूरे मामले को शांत करने के लिए हुआ था और एक बार फिर सीएमओ छुट्टी के बाद आ गए हैं और पूरे सिस्टम को चिढ़ा रहे हैं कि भ्रष्टाचार करने की अनुमति ही उन्हें सिस्टम से मिली हो और सिस्टम उन पर कार्यवाही कर नहीं सकता,सीएमओ साहब लौटकर अब अपने दैनिक कार्य में लग गए हैं और उनके विरुद्ध हुई जांच और जांच में पाई गई अनियमितता अब कार्यवाही की बांट जोह रही है।

नव गठित नगर पंचायत का दुर्भाग्य...पहला सीएमओ ही लुट रहा नए नगर का भविष्य...

यह कहना गलत नहीं होगा कि यह नव गठित नगर पंचायत पटना का दुर्भाग्य है कि पहला सीएमओ ही नगर के भविष्य को लूट रहा है और नगर विकास निधियों की राशि से अपनी जेब भर रहा है,जो राशि नवगठित नगर के विकास के लिए उपयोग किया जाना था वह उसकी जेब में है,निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी अब तक हराकर व्यवस्था को और सीएमओ के हालिया रवैया पर अब मौन हैं और कहीं न कहीं अब यह स्पष्ट है कि वह जान चुके हैं कि नगर पंचायत पटना का सीएमओ ही महान है और उसका सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही अनुमान करना बेकार है।

क्या यह सब सिर्फ एक नौकरशाह कर रहा है? या इसके पीछे सत्ता का मौन संरक्षण है?

कुछ सवाल इतने तेज हैं कि किसी भी सरकार को झकझोर देने चाहिए, क्या सत्ता में बैठी पार्टी इसलिए आई है कि नौकरशाहों को भ्रष्टाचार की छूट मिले? क्या सरकार की प्राथमिकता व्यवस्था सुधार नहीं,बल्कि व्यवस्था का निजीकरण हो गई है? क्या शिकायतें सिर्फ बहलाने के लिए हैं और कार्रवाई सिर्फ कागज़ों के लिए? लेकिन हक़ीक़त यह है कि यह मामला साफ करता है कि भ्रष्टाचारियों को शह देने वाला कोई न कोई ऊपर बैठा है। जो संदेश जनता तक गया है–वह खतरनाक है जब जांच में अनियमितता सिद्ध होने के बाद भी अधिकारी वापस कुर्सी पर बैठकर पूरे सिस्टम को मुस्कुराकर चिढ़ाए, तो जनता स्पष्ट समझ लेती है यहाँ भ्रष्टाचार अपराध नहीं, बल्कि योग्यता है, और यही इस पूरे प्रकरण की सबसे भयावह तस्वीर है, यह सिर्फ पटना नगर पंचायत की समस्या नहीं यह एक बीमार व्यवस्था का लक्षण है, जो बताता है कि भ्रष्टाचार उजागर कर दो–कुछ नहीं होगा, जांच बैठा दो–नतीजा शून्य,छुट्टी पर भेज दो–ड्रामा पूरा और फिरज वही चेहरा, वही कुर्सी, वही खेल व्यवस्था को शर्म नहीं, ताकत मिल रही है सीएमओ की छुट्टी और फिर वापसी ने एक ही बात साबित कर दी है भ्रष्टाचार का खेल बंद नहीं हुआज सिर्फ थोड़ा-सा 'पॉज़ बटन' दबाकर फिर 'प्ले' कर दिया गया है, और जब प्रणाली ही चुप है, सत्ता मौन है, नेतृत्व उदासीन है तो समझिए, लड़ाई सिर्फ भ्रष्टाचार से नहीं है, बल्कि उस मानसिकता से है जो भ्रष्टाचारियों को अपराजेय महसूस कराती है।

नगर को बनाया 'भ्रष्टाचार का अड्डा'... शिकायतें...जांच...और फिर भी चुप्पी...

शिकायतों के आधार पर विभागीय जांच में कई वित्तीय गड़बड़ियाँ स्पष्ट रूप से सामने आई, जिनमें शामिल हैं,बिना प्रक्रिया भुगतान, कार्यों में खर्चों की अनियमितता,नियमों की खुली अनदेखी,बिल कॉम्प्रोमाइजिंग, प्रशासनिक अनुमोदन के बिना व्यय जांच रिपोर्ट में सभी आरोप सही पाए जाने के बाद सीएमओ को छुट्टी पर चले गए थे संभावना यह मानी जा रही थी कि छुट्टी के बाद उनकी वापसी बिल्कुल संभव नहीं है, लेकिन उनका अचानक लौट आना सभी अनुमानों पर बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर गया,जिन सभी संभावनाओं को लोग सच मान बैठे थे, सीएमओ की वापसी ने उन्हें एक झटके में गलत साबित कर दिया। सबको यही भरोसा था कि छुट्टी के बाद उनकी वापसी नहीं होगी,लेकिन सीएमओ का दोबारा आ जाना न सिर्फ चौंकाने वाला है, बल्कि सभी संभावनाओं और सभी दावों पर सीधा 'क्रॉस' लगा गया। जो लौटना असंभव माना जा रहा था, वही सच्चाई बनकर सामने आ गया।÷ जैसे कई मामलों में भ्रष्टाचार साबित हो चुका है, विभाग की जांच रिपोर्ट में खुलासा भी दर्ज है, फिर भीन तो निलंबन, न एफआईआर, न विभागीय कार्रवाई, सिर्फ छुट्टीज और अब संभवतः तबादला।

क्या छुट्टी सिर्फ 'सेफ्टी कवर' थी?

शिकायतों पर हुई विभागीय जांच में कई वित्तीय गड़बड़ियों की पुष्टि होने के बाद सीएमओ को छुट्टी पर भेजा गया। लेकिन अब सवाल एक ही है क्या छुट्टी की आड़ में उन्हें निलंबन व विभागीय कार्रवाई से बचाया गया? सूत्रों का दावा है कि छुट्टी एक कुशन थी ताकि कुछ समय बाद इनका सीधा स्थानांतरण किया जा सके और यदि ऐसा हुआ– तो भ्रष्टाचार के बदले इनाम जैसी व्यवस्था का खुला उदाहरण होगा।

सीएमओ–जांच में दोषी...कार्रवाई में 'निर्दोष'?

पटना नगर पंचायत के सीएमओ पर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के जो आरोप लगे, वे मामूली नहीं थे,जांच हुई–और जांच में अनियमितताएँ पाई भी गई, पर कार्रवाई? कार्रवाई तो जैसे किसी और ही दुनिया में लिखी जा रही हो, मामला गर्माया, सुर्खियों में आया, जनप्रतिनिधियों और आम जनता ने सवाल उठाए–तो सिस्टम की चतुराई देखिए, सीएमओ को कुछ दिनों के लिए छुट्टी पर भेज दिया गया। यह दिखाने के लिए कि ÷कार्रवाई÷ हो रही है, अफवाह फैलाई गई कि अब वे वापस नहीं आएंगे, उनका ट्रांसफर हो जाएगा, पर सच यह है कि ÷छुट्टी खत्म, लो आ गए हम! और जो वापस लौटा है, वह सिर्फ एक सीएमओ नहीं, वह पूरी व्यवस्था को यह मैसेज दे रहा है कि भ्रष्टाचार करो...डरो मत...सिस्टम हमारा है।

भ्रष्टाचार ऐसे की भ्रष्टाचार शब्द भी शरमा जाए,फिर भी सीएमओ साहब हैं अब तक बेदाग

सीएमओ साहब पटना के भ्रष्टाचार ऐसे भ्रष्टाचार हैं जिससे भ्रष्टाचार शब्द भी शरमा जाए,बिना भवन बनाए भवन बनाने की राशि निकालना,मृत पशु दफनाने के नाम पर पैसे निकालना,अलाव जलाने के नाम पर अपनी जेब गर्म करना,होर्डिंग बैनर सहित नाश्ते और टेंट पंडाल तक के मामले में सीएमओ साहब ने भ्रष्टाचार किया है यहां तक कि दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के खाते में पैसे डालकर अपने खाते में वापस लेने का भी सबूत मिला है,सब सबूतों के बाद भी सीएमओ साहब जमे हुए हैं और वह बेदाग हैं,यह व्यवस्था का वह रूप है जो बतलाता है कि भ्रष्टाचार ही आज शिष्टाचार है।

सड़क किनारे थैले में मिली नवजात बच्ची:रोने की आवाज सुनकर राहगीरों ने पहुंचाया अस्पताल

-संवाददाता-

एमसीबी,21 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में एनएच 43 स्थित वन विभाग डिपो के पास एक नवजात बच्ची सड़क किनारे लावारिस हालत में मिली। अज्ञात लोगों ने बच्ची को एक झोले में डालकर छोड़ दिया था। यह घटना 21 नवंबर की सुबह की है। शहर के लोग जब सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले, तो उन्हें बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। पास जाकर देखने पर पता चला कि एक झोले में नवजात बच्चा पड़ा हुआ था। जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल बच्चे की हालत स्थिर है। उसे गोद लेने के लिए शहर के कई लोग सामने आए है।

स्थानीय लोगों ने बच्ची को पहुंचाया अस्पताल

सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत चनवारीडांड़ के सरपंच सोनू सिंह सहित कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत बच्चे को मनेंद्रगढ़ के स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चे की हालत अभी स्थिर और स्वस्थ बताई जा रही है।

महिला बाल विकास विभाग कर रहा बच्ची की देखभाल

इस घटना की जानकारी मिलने पर शहर के कई लोग बच्ची को गोद लेने के लिए आगे आए हैं। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।महिला बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी आर.के. खाती ने बताया कि बच्चे का इलाज पूरा होने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बच्चे की देखभाल के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

उद्योग संचालनालय,छत्तीसगढ
उद्योग भवन ,रिंग रोड़ नं.1, तेलीबांधा, रायपुर
फोन नं. (0771)2583652-54 फैक्स नं. 2583651
Email: dtic-directorate.cg@gov.in
(छत्तीसगढ़ शासन, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 20-13 / 2018 /11/6 दिनांक 28.04.2018)

मेसर्स श्री राम एग्रो प्रोडक्ट, ग्राम कुम्दाबस्ती,तहसील व जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) के स्वामित्व परिवर्तन की अनुमति हेतु आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि-
1- मेसर्स श्री राम एग्रो प्रोडक्ट, ग्राम कुम्दाबस्ती, तहसील व जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) में स्थापित है। उक्त उद्योग के विक्रय हेतु श्री मुकेश कुमार अग्रवाल, s/o रामविलास अग्रवाल, नेहरू पार्क रोड, सूरजपुर वार्ड नं. 13, सूरजपुर के मध्य विक्रय इकरारनामा का निष्पादन हुआ है।
2- शाखा प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सूरजपुर द्वारा इकाई मेसर्स श्री राम एग्रो प्रोडक्ट के पक्ष में अदेय प्रमाण पत्र जारी किया गया है।
3- राज्य शासन की औद्योगिक नीति 2019-24 के तहत् प्रदान किये गये अनुदान एवं छूट के संदर्भ में उद्योग संचालनाल के पत्र क्रमांक PROJ-41011/380/2025 दिनांक 18.11.25 द्वारा मेसर्स श्री राम एग्रो प्रोडक्ट में स्वामित्व परिवर्तन की अनंतिम स्वीकृति दी गई है।
अतः उक्त मेसर्स श्री राम एग्रो प्रोडक्ट, ग्राम कुम्दाबस्ती, तहसील व जिला सूरजपुर के उद्योग को स्वामित्व परिवर्तन की अंतिम अनुमति प्रदान किये जाने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, कंपनी, वित्तीय संस्था / बैंक या अन्य किसी को कोई आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह सूचना प्रकाशन तिथि से 10 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् किसी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।
रायपुर, दिनांक - 18.11.25
संचालक
उद्योग संचालनालय,छ0ग0

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा(छ0ग0)
रा0प्र0क्र0/अ-20(3)/2025-26
ईश्तहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक आकाश कुमार आ0 किशोरी प्रसाद उम्र लगभग 33 वर्ष जाति सोनार निवासी संगम चौक राम कुटिर के सामने देवीगंज रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की सीट नम्बर 3 मोहल्ला न्यू महामाया रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नूजल प्लाट नम्बर 1485/5, 1485/10 रकबा 0.02,1/2, 0.00,1/2 एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 28/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।
आज दिनांक-11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।
(सील) नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0/अ-20(1)/24-25
आगामी तिथि 05/12/2025
ईश्तहार
इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक महावीर अग्रवाल आ0 स्व. दलीफचन्द अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1831/4, 2913/3 रकबा क्रमषः 3267, 1962 वर्गफीट भूमि का लीज अवधी 31.03.2026 को समाप्त होने से लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।
अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 5/12/2025 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।
आज दिनांक 19/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
(सील) नजूल अधिकारी
सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0/अ-20(1)/24-25
आगामी तिथि 05/12/2025
ईश्तहार
इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक महावीर अग्रवाल आ0 स्व. दलीफचन्द अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2913/4, 1831/5 रकबा क्रमषः 3049, 5444 वर्गफीट भूमि का लीज अवधी 31.03.2026 को समाप्त होने से लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।
अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 5/12/2025 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।
आज दिनांक 19/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।
(सील) नजूल अधिकारी
सूरजपुर (छ.ग.)

अटल परिसर की मूर्ति में 'तांबे की शुद्धता' पर सवाल

लोकार्पण रोकने की मांग तेज

वार्ड-12 की पार्षद रेखा वर्मा ने कहा...मूर्ति के वजन और धातु में मिलावट की जाँच अनिवार्य,नहीं तो यह करोड़ों की परियोजना पर बड़ा सवाल

अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति पर भी 'कटौती'? यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं पूरे सिस्टम की नंगी सच्चाई है...

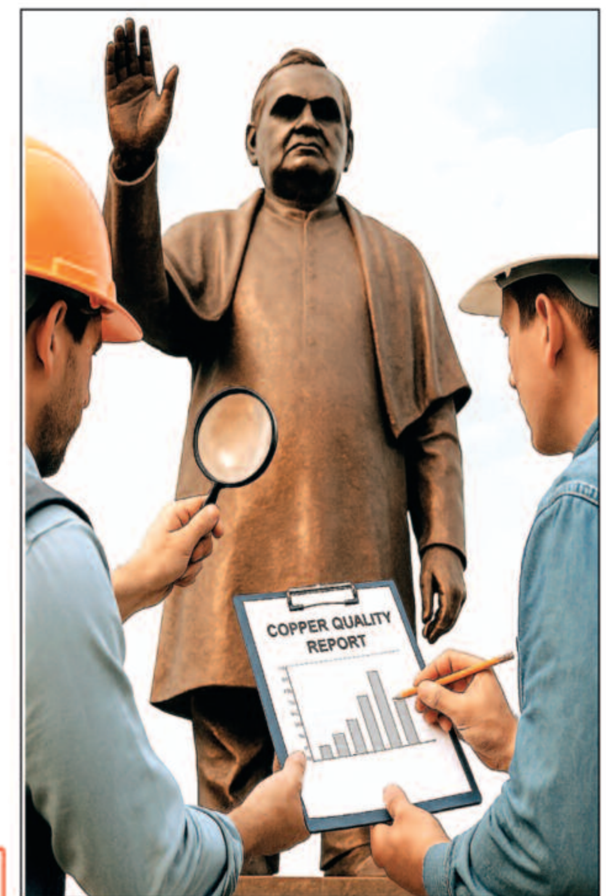

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,21 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

नगर पंचायत पटना में बन रहा अटल परिसर और उसमें स्थापित होने वाली अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति एक राष्ट्रीय प्रतीक, एक महान नेता की स्मृति पर भी अगर धातु मिलावट का शक उठ जाए,तो समझ लीजिए कि सिस्टम किस हद तक सड़ चुका है, यह सामान्य मामला नहीं है, यह सिर्फ एक मूर्ति नहीं है।

बता दे की नगर पंचायत पटना में लाखों रुपए की लागत से बन रहा अटल परिसर अब नए विवाद में आ गया है, परिसर में स्थापित होने वाली पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की मूर्ति को लेकर वार्ड क्रमांक-12 की पार्षद श्रीमती रेखा वर्मा ने गंभीर प्रश्न उठाए हैं,पार्षद का आरोप है कि मूर्ति में तांबे की मात्रा संदिग्ध है और इसमें अन्य धातु मिलाए जाने की आशंका है, पार्षद ने सीएमओ को पत्र लिखते हुए स्पष्ट कहा है कि अटल जी की मूर्ति तांबे से निर्मित बताई जा रही है, परंतु उसका वजन और धातु की गुणवत्ता शंका पैदा करती है। लोकार्पण से पहले इसके तांबे की शुद्धता की तकनीकी जांच आवश्यक है, यह राजनीतिक चरित्र, प्रशासनिक ईमानदारी और स्थानीय निकायों की नीयत का आईना है।

जाँच से पहले लोकार्पण? बिल्कुल नहीं

मूर्ति की धातु, वजन और निर्माण गुणवत्ता की जाँच एक साधारण औपचारिकता नहीं,अनिवार्य प्रक्रिया है,जब तक जांच नहीं होती,तब तक इस मूर्ति का लोकार्पण होना ही नहीं चाहिए, अगर नगर पंचायत और सीएमओ वास्तव में निर्दोष हैं,तो उन्हें स्वयं आगे आकर कहना चाहिए जाँच कराइए–हम पारदर्शी हैं। पर अगर वे भाग रहे हैं, बच रहे हैं,टाल रहे हैं तो समझ लीजिए कि धातु ही नहीं,नीयत भी मिलावट है।

क्या नगर पंचायत तकनीकी परीक्षण कराएगी?

अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या नगर पंचायत मूर्ति का धातु परीक्षण, वजन सत्यापन और बिल-वेंडर की जांच करवाएगी? या फिर लोकार्पण जल्द से जल्द कर देकर मामले को दबाने की कोशिश होगी?

पार्षद ने उठाए ये प्रमुख सवाल

क्या मूर्ति वास्तव में 'फुल तांबा' है?

या फिर इसमें अन्य धातुओं की मिलावट कर लागत बढ़ाकर बिल पास कराया जा रहा है?

मूर्ति का वास्तविक वजन क्या है और क्या वह मानक के अनुरूप है?

नगर पंचायत में अनियमितताएँ और यह घटना सिर्फ एक और अध्याय

पटना नगर पंचायत पहले से ही कई वित्तीय अनियमितताओं,संदिग्ध भुगतान,और कागज़ी विकास के आरोपों से घिरी है,ऐसे माहौल में मूर्ति की धातु गुणवत्ता पर संदेह उठना बेहद गंभीर है,यह सिर्फ बेईमानी नहीं,यह जनता के पैसों की खुलेआम चोरी है, यह पारदर्शिता पर प्रहार है,और यह अटल जी की प्रतिष्ठा के साथ मजाक है।

जल्दबाज़ी में लोकार्पण की तैयारी,संदेह और बढ़ा

सूत्र बताते हैं कि नगर पंचायत का पूरा अटल परिसर निर्माण पहले से ही वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों से घिरा हुआ है, इसी बीच सीएमओ द्वारा मूर्ति का जल्दबाज़ी में लोकार्पण करने की कोशिशों ने पार्षद के संदेह को और मजबूत किया है,स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर मूर्ति मूल धातु की नहीं है तो यह सरासर धोखाधड़ी है,अटल जी जैसी महान विभूति की मूर्ति पर भी कटौती हो जाए,यह शर्मनाक है।

पार्षद की मांग,लोकार्पण रोककर करें परीक्षण

पार्षद रेखा वर्मा ने साफ कहा कि तांबे की शुद्धता की जाँच बिना मूर्ति का लोकार्पण किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए। यह जनता का पैसा है, और इस पर कोई समझौता नहीं, उन्होंने सीएमओ पर यह भी आरोप लगाया कि सीएमओ इस मामले में जांच से बचने के लिए जल्दबाजी में लोकार्पण करा देना चाहते हैं ताकि वित्तीय अनियमितताओं पर परदा डाला जा सके।

तांबे की जगह सस्ता धातु? ये कैसी श्रद्धांजलि?

वार्ड-12 की पार्षद रेखा वर्मा ने जो सवाल उठाए हैं,वे सिर्फ सवाल नहीं हैं,यह चेतावनी है कि कहीं मूर्ति में तांबे के नाम पर सस्ता धातु तो नहीं ठूंस दिया गया? क्या मूर्ति का वजन वास्तविक तांबे के मानकों के अनुरूप है? या फिर यह भी एक नया ठेका-खेल, बिल-मिलावट और कमाई का 'सॉफ्ट टारगेट' बन चुका है? अगर अटल जी जैसी महान विभूति की मूर्ति तक भी भ्रष्टाचार की चपेट में आ जाए, तो समझिए यह प्रशासन किस हद तक नैतिक रूप से गिर चुका है।

सीएमओ की जल्दबाजी, किस बात की दहशत?

सबसे बड़ा प्रश्न यही है सीएमओ लोकार्पण क्यों जल्दी-जल्दी कराना चाहते हैं? क्या धातु परीक्षण से डर है? क्या वजन जांच से सच बाहर आ जाएगा? क्या ठेकेदार, सप्लायर और कार्यालय के कागज़ एक साथ नहीं बैठ रहे? अगर सब कुछ पारदर्शी है, तो परीक्षण से भाग क्यों? अटल जी की प्रतिमा का लोकार्पण कोई गुपचुप समारोह नहीं है कि मनमानी से कर दिया जाए। यह सार्वजनिक धन का उपयोग है, और यहाँ हर नागरिक को जवाब चाहिए।

नागरिकों को जागना होगा,क्योंकि यहाँ सवाल अटल जी की गरिमा का है-

अटल जी की मूर्ति में मिलावट की आशंका, यह सिर्फ तकनीकी गलती या ठेकेदार की मूर्खता नहीं है यह हमारे समाज और सिस्टम की नैतिक गिरावट का सबसे क्रूर उदाहरण है, सवाल सिर्फ यह नहीं कि मूर्ति में क्या धातु है सवाल यह भी है इस नगर पंचायत के दिमाग में कौन-सी धातु भरी है?

जिला प्रशासन ने अपनी नाकामी छिपाने कर दी लीपापोती

जशपुर जिले में पत्रकार को अपने नवजात शिशु का शव लाने नहीं मिली मुक्ताजंलि वाहन

-संवाददाता-
जशपुर,21 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

जशपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग की बेहद लचर व्यवस्था के कारण एक पत्रकार को अपने नवजात शिशु का शव लाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि जिला प्रशासनिक स्वास्थ्य विभाग की इस अव्यवस्था और मनमानी की बगैर निष्पक्ष जांच कराए ही पत्रकारों को जनसंपर्क विभाग के ग्रूप में धमकी दे डाली।

उल्लेखनीय है कि जशपुर जिले में पत्रकार मुकेश नायक को अपने नवजात शिशु के शव को घर ले जाने के लिए शव वाहन तक उपलब्ध न होना प्रशासन की संवेदनहीनता का ऐसा उदाहरण बन गया,जिसने जशपुर की पत्रकारिता और जनता दोनों को झकझोर दिया है।

बताया जाता है कि घटना के दिन मुकेश नायक ने स्वास्थ्य विभाग को बार-बार संपर्क किया, लेकिन उन्हें न मुक्ताजंलि वाहन के संबंध में सही जानकारी मिली,न वाहन। लगातार आश्वासन,टाल-मटोल और अनुत्तरदायित्व की स्थिति ने उन्हें और उनके परिवार को अपार मानसिक पीड़ा दी। सीमावर्ती क्षेत्र में ओडिशा प्रशासन की मदद मिली,जबकि छत्तीसगढ़ की 102 सेवा ने मदद से मना कर दिया। अंततः मजबूर होकर परिजनों को नवजात का शव स्कूटी पर रखकर घर लाना पड़ा। यह घटना न केवल अमानवीय है, बल्कि जिले की स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

इस संवेदनशील मामले को उठाए जाने के बाद विभागों की प्रतिक्रिया और भी विचलित करने वाली रही। जिम्मेदारी स्वीकारने और समस्या का समाधान ढूंढने की बजाय जिला प्रशासन ने सीपीआर नोटिस,कानूनी कार्रवाई और मानहानि के दावों की धमकियों का रास्ता अपना लिया। स्वास्थ्य विभाग की अव्यवस्था की खबरों पर तुरंत खंडन जारी कर पत्रकारों को डराने का प्रयास किया गया, जैसे सच को दबाना ही समाधान हो। जल्द ही पत्रकार एक प्रतिनिधिमंडल बनाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा जिले में बढ़ रहे विभागीय दमन पर रोक लगाने की मांग करेंगे।

पत्रकारों ने स्पष्ट कहा...

अब अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा...

पत्रकारों ने कहा...दबाव से पत्रकारिता नहीं रुकेगी...

सिस्टम की गलती उजागर करना अपराध नहीं... यह जनता के प्रति जिम्मेदारी है...

कमियां उजागर करते ही हर बार धमकी और खंडन से आखिरकार बिफरे पत्रकार

इसी दमनकारी और गैर-जिम्मेदार रवैये के खिलाफ अब जिले के पत्रकार एकजुट हो गए हैं। CPR नोटिस और दबाव की इस नीति का विरोध करते हुए जिले के लगभग तीन दर्जन से अधिक पत्रकारों ने जनसम्पर्क विभाग के आधिकारिक प्रशासनिक व्हाट्सऐप ग्रूप से सामूहिक रूप से बाहर हो गए। इनमें कई वरिष्ठ,अनुभवी और जिले की बड़ी खबरों को कवर करने वाले पत्रकार शामिल हैं। पत्रकारों ने यह कदम सीधे तौर पर विभागों को संदेश देने के लिए उठाया कि वे धमकी,दबाव और नोटिस की राजनीति को अब स्वीकार नहीं करेंगे। पत्रकारों ने कहा कि सवाल उठाना,गलतियों को उजागर करना और जनता के हित के मुद्दों को सामने लाना उनका कर्तव्य है। किसी भी विभाग की कमी को दिखाना मानहानि नहीं,बल्कि लोकतंत्र की रक्षा है। यदि एक पत्रकार पिता को अपने नवजात के शव के साथ ऐसी त्रासदी झेलनी पड़ती है,तो आम जनता की स्थिति की कल्पना मात्र ही भयावह है। पत्रकारों का आरोप है कि कुछ विभाग सच से बचने और अपनी लापरवाही के लिए जिम्मेदारी लेने के बजाय उल्टा मीडिया को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। लगातार नोटिस भेजना, खंडन जारी करना और कानूनी डर दिखाना लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने वाली प्रवृत्ति है।

जशपुर में फर्जी आरटीआई एक्टिविस्ट गिरफ्तार

पंचायत सचिवों से 90 हजार वसूली का प्रयास...न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल...

-संवाददाता-
जशपुर,21 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

सूचना के अधिकार कानून का दुरुपयोग कर पंचायत सचिवों से जबरन वसूली का प्रयास करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान सक्ती के रहने वाले तरुण भारद्वाज (22) के रूप में हुई है। मामला दुलदुला थाना क्षेत्र का है।

मामले की शुरुआत तब हुई जब ग्राम पंचायत कस्तूरा जामपानी की सचिव देवकी यादव (45) को एक RTI आवेदन मिला। यह आवेदन जनपद पंचायत दुलदुला के माध्यम से प्राप्त हुआ था। इसमें 1 फरवरी 2020 से 21 अगस्त 2025 तक 15वें वित्त से किए गए सभी कार्यों से संबंधित दस्तावेज मांगे गए थे। जिनमें इंजीनियर का प्रतिवेदन, जांच रिपोर्ट, भौतिक सत्यापन, कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र, ग्राम सभा का प्रस्ताव, रजिस्टर और बिल-वाउचर की सत्यापित प्रतियां शामिल थीं। सचिव ने आवेदक को सूचित किया कि यह जानकारी आरटीआई अधिनियम की धारा 5(4) के तहत उपलब्ध नहीं कराई जा सकती।

आरोपी ने जनपद पंचायत में प्रथम अपील दायर की

इसके बाद आरोपी ने जनपद पंचायत दुलदुला में प्रथम अपील दायर की। जिसकी सुनवाई 19 नवंबर 2025 को होनी थी। यह भी सामने आया है कि दुलदुला जनपद पंचायत के अंतर्गत सभी 30 पंचायत सचिवों को इसी तरह के RTI आवेदन भेजे गए थे।

आर्थिक लाभ कमाने की मंशा

इससे पता चलता है कि आरोपी का उद्देश्य शुरुआत से ही व्यापक दबाव बनाकर आर्थिक लाभ कमाना था। घटना में नया मोड़ 18 नवंबर को आया,जब सचिव देवकी यादव को एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को तरुण भारद्वाज बताया और पूछा,जानकारी देनी है या कुछ व्यवस्था करनी है?

सचिव को धमकी भरा फोन

जब सचिव ने व्यवस्था का अर्थ पूछा, तो आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि हर पंचायत सचिव 3,000 रुपए दे दें, नहीं तो मैं RTI के जरिए सारी जानकारी निकालकर आप सभी को बर्खास्त करा दूंगा और जेल भिजवा दूंगा। सचिव ने डर के बावजूद पूरी बातचीत अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर ली।

पुलिस में शिकायत और केस दर्ज

सचिवों की शिकायत पर दुलदुला पुलिस ने बीएनएस की धारा 308(2) के तहत केस दर्ज जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी तरुण भारद्वाज को उसी समय जनपद पंचायत कार्यालय दुलदुला के परिसर से ही गिरफ्तार कर लिया।

बुंदेली उ.मा. विद्यालय में बाल अधिकार सप्ताह का प्रेरणादायी भव्य आयोजन संपन्न

-संवाददाता-
एम.सी.बी.,21 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुंदेली में बाल अधिकार सप्ताह का उत्सव आज एक अलग ऊर्जा और नई सोच के साथ संपन्न हुआ,यह कार्यक्रम जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने बाल अधिकारों को समझने और उन्हें जीवन में लागू करने का सशक्त संदेश दिया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की थीम पर आयोजित इस विशेष सप्ताह में छात्राओं ने अपनी सोच और संवेदना को नाट्य प्रस्तुति,चित्रकला, पोस्टर,लेखन और कहानी के माध्यम से जिस प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया उसने पूरे कार्यक्रम को एक जीवंत अनुभव में बदल दिया। NSS और NCC की संयुक्त नाट्य प्रस्तुति ने बाल अधिकार, सुरक्षा, भेदभाव और सामाजिक चुनौतियों की तस्वीर को समाज के सामने सशक्त रूप में रखा,जबकि खुशहाल बचपन सुरक्षित बचपन विषय पर बनी चित्रकला और पोस्टरों ने बालिकाओं की कलात्मक क्षमता को नई ऊंचाइयाँ दीं। यदि मैं पिता या माता होती विषय पर बालिकाओं द्वारा लिखी गई रचनाओं में भावनाओं, जिम्मेदारी और समझ की गहरी झलक दिखाई दी, वहीं मेरे सपनों का भविष्य पर लिखी गई कहानियों में आत्मनिर्भरता, शिक्षा,समान अवसर और उज्ज्वल भारत की स्पष्ट झलक उभरकर सामने आई। बालिकाओं की प्रस्तुतियों में यह भाव प्रमुख रूप से परिलक्षित हुआ कि हर बच्ची राष्ट्र की अमूल्य पूंजी है और उसके सपने न केवल उसका भविष्य संवारते हैं बल्कि समाज को भी नई दिशा देते हैं। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप देने में जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

CMYK

शाहरुख और सलमान खान का फिर दिखा भाईचारा

शाहरुख खान और सलमान खान दोनों एक बार फिर साथ नजर आए हैं। दोनों ने साथ में वक्त बी गुजारा और अब इनकी तस्वीरें वायरल हो गई हैं। इन पर लोग जमकर रिएक्शन दे रहे हैं और इस भाईचारा बता रहे हैं।

दोनों ने एक साथ किया सैर-सपाटा, लोग बोले- दोस्ती हो तो ऐसी

एक्टर शाहरुख खान और सलमान खान इन दिनों दुनिया भर में साथ नजर आ रहे हैं। हाल ही में दोनों दिल्ली में एक शादी का हिस्सा बने थे और इससे पहले सऊदी अरब में हुए जॉय फोरम में भी साथ दिखे थे। अब उनकी नई तस्वीरें अबू धाबी के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम से सामने आई हैं, जहां दोनों सुपरस्टार्स एक साथ घूमते दिखाई दे रहे हैं और फैंस उनका यह बॉन्ड देखकर बेहद खुश हैं। इन ताजा तस्वीरों में दोनों खान अबू धाबी के म्यूजियम में डायनासोर फॉसिल्स की भव्य एग्जीबिशन के सामने पोज देते दिख रहे हैं। सलमान इस समय अपने दबंग टूर के लिए यूएई में मौजूद हैं,जबकि शाहरुख म्यूजियम के विशेष व्हीआईपी उद्घाटन में शामिल होने के लिए अबू धाबी पहुँचे थे। काले सूट में साथ खड़े दोनों सितारे बेहद स्टाइलिश और रिलैक्स्ड नजर आ रहे हैं।

वायरल हुई तस्वीरें

तस्वीरें वायरल होने के साथ ही सोशल मीडिया पर फैंस की मजेदार प्रतिक्रियाएं भी आने लगीं। एक फैन ने मजाक में लिखा, आजकल एसआरके को गौरी से ज़्यादा सलमान के साथ देख रहा हूं। वहीं दूसरे फैन ने शाहरुख की मैनेजर पूजा ददलानी को याद दिलाते हुए कहा, अगर एसआरके को सलमान के साथ पूजा से ज्यादा दिखोगे तो कुछ बात बनेगी! एक यूजर ने तो हंसते हुए यह भी कह दिया, ये दोनों तो चिपक ही गए हैं। हालांकि ज्यादातर फैंस इस बात से खुश थे कि वर्षों के उतार-चढ़ाव और गलतफहमियों के बाद दोनों सुपरस्टार फिर से इतनी अच्छी बॉन्डिंग साझा कर रहे हैं।

शाहरुख-सलमान की फिल्मी दुनिया

दोनों कलाकारों ने 2023 में एक-दूसरे की फिल्मों में स्पेशल अपीरियंस दिया था। सलमान ने शाहरुख की ब्लॉकबस्टर पठान में अपने मशहूर किरदार टाइगर के रूप में एंट्री मारी थी। उसी साल बाद में शाहरुख ने टाइगर 3 में पठान के रूप में आकर यह एहसान लौटाया। ये कैमियो वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा थे, जो भविष्य की क्रॉसओवर फिल्म टाइगर व्हीएस पठान की नींव रखने के लिए बनाए गए थे। हालांकि, फिलहाल इस बड़े प्रोजेक्ट पर कोई नई जानकारी नहीं है।

इन फिल्मों में आएंगे नजर

आगे बात करें तो 2026 दोनों सुपरस्टार्स के लिए बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। सलमान अपनी अगली एक्शन फिल्म %बैटल ऑफ गलवान% की शूटिंग पूरी कर चुके हैं, जिसे अपूर्व लाखिया निर्देशित कर रहे हैं और यह 2026 में रिलीज होगी। दूसरी तरफ शाहरुख खान सिद्धार्थ आनंद की %किंग% में दिखाई देंगे, एक मल्टी-स्टारर प्रोजेक्ट जिसमें वह पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन साझा कर रहे हैं। यह फिल्म अप्रैल 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है। सलमान और शाहरुख की हाल की मुलाकातों ने फैंस के लिए एक बार फिर से खान ब्रदरहुड का जादू जगा दिया है और सभी को उनकी अगली ऑन-स्क्रीन यूनियन का बेसब्री से इंतजार है।

हेलेन की पार्टी में सिंदूर लगाकर गईं रेखा

कभी इसी वजह से जया बच्चन के आंखों में आ गए थे आंसू

रेखा और उनकी मांग में लगा सिंदूर हमेशा से लाइमलाइट में रहा है। बिना शादी किए और पति के न होते हुए वह हमेशा मांग में सिंदूर लगाए हुए दिखाई देती हैं। हाल ही में रेखा मांग में सिंदूर लगाकर एक पार्टी में शरीक हुईं।

दरअसल,आज सलमान खान की सौतेली मां और सलीम खान की दूसरी पत्नी व एक्ट्रेस हेलेन 87 साल की हो गईं। हर साल की तरह इस बार भी हेलेन के लिए एक शानदार पार्टी होस्ट की गई, जहां रेखा भी शामिल हुईं।

मांग में सिंदूर लगाकर पार्टी में पहुंचीं रेखा

रेखा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें वह हेलेन की पार्टी में शामिल होते हुए नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस पैपराजी के साथ मस्ती करते हुई दिखीं। फोटोज क्लिक कराने के बाद रेखा ने पैप्स से कैमरा लिया और खुद फोटोग्राफी करने लगीं। फिर वह अपनी टीम के साथ दौड़ती हुई वेन्यू में चली गईं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि इवेंट के लिए रेखा ने अपना लुक बहुत कैजुअल रखा था। वह ब्लैक जंपसूट में दिखीं,जिसे उन्होंने ब्लू जैकेट और अपने स्टेटमेंट ब्लैक शेड्स के साथ पहना था। उनके लुक में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली चीज मांग में लगा सिंदूर था। कैजुअल लुक के साथ भी वह मांग में सिंदूर लगाना नहीं भूलीं। वीडियो सामने आते ही कई लोगों ने पूछा कि उन्होंने आखिर मांग में सिंदूर क्यों लगाया है?

रेखा का सिंदूर देख रो पड़ी थीं जया?

रेखा ने पहली बार अपनी मांग में सिंदूर ऋषि कपूर और नीतू कपूर की शादी में लगाया था। 1980 में शादी के फंक्शन में रेखा मांग में सिंदूर लगाए पहुंच गई थीं और उन्हें देख हर कोई दंग रह गया था। उस वक्त रेखा ने शादी नहीं की थी और अमिताभ बच्चन संग उनके अफेयर के चर्चे थे। कहा जाता है कि रेखा को इस लुक में देखा जया बच्चन की आंखों में आंसू आ गए थे।

रेखा मांग में सिंदूर क्यों लगाती हैं?

रेखा तब से सिंदूर लगा रही हैं,जब उन्होंने शादी भी नहीं की थी। साल 1990 में उन्होंने मुकेश अग्रवाल से शादी की थी, लेकिन वह उनसे चंद महीनों में अलग हो गई थीं और अब वह इस दुनिया में भी नहीं हैं। हालांकि,आज भी रेखा मांग में सिंदूर लगाती हैं। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इसकी वजह बताई थी। उनका कहना था कि उनके होमटाउन में सिंदूर लगाना महज फैशन है और वह पहली बार यानी ऋषि-नीतू की शादी में इसलिए सिंदूर लगाकर पहुंची थीं, क्योंकि वह सीधे सेट से आई थीं और वह चेंज नहीं कर पाईं।

वॉर 2 पर ऋतिक रोशन ने इंटरनेशनल मंच पर दिया... ऐसा बयान,सुनकर यशराज फिल्म्स को लग सकती है मिर्ची

बॉलीवुड के हैंडसम हंक ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 से काफी उम्मीदें थीं,लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई।वाईआरएफ की स्पाई थ्रिलर वॉर 2 साल 2019 में रिलीज हुई हिट फिल्म वॉर का सीक्वल थी। पहली फिल्म को सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था और कबीर की भूमिका में एक्टर छा गए थे।जब वॉर 2 की अनाउंसमेंट हुई तो लोगों को उम्मीद थी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देगी। मगर फिल्म फ्लॉप साबित हुई। अब इंटरनेशनल मंच पर ऋतिक रोशन ने वॉर 2 की असफलता पर बयान दिया है।

ऋतिक ने वॉर 2 को किया ट्रोल

हाल ही में ऋतिक रोशन दुबई में कोका कोला अरेना के इवेंट में शामिल हुए। जब होस्ट ने ऋतिक रोशन का वेलकम किया तो उन्होंने एक्टर के बारे में कहा, ÷इतने बड़े ग्लोबल आइकॉन के साथ स्टेज शेयर करना बहुत अच्छा लग रहा है। हम अभी बात कर रहे थे कि आपको स्क्रीन पर देखे हुए इतने साल हो गए हैं। क्या शानदार पल है। यहां सुपरस्टार के लिए जोरदार तालियां।

ऋतिक रोशन आते हैं और मजाकिया अंदाज में अपनी फिल्म वॉर 2 को ट्रोल कर देते हैं। उन्होंने कहा, आप बहुत अच्छे हैं। आप जानते हैं, मेरी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई, इसलिए इतना प्यार पाकर बहुत अच्छा लग रहा है, धन्यवाद। सोशल मीडिया पर ऋतिक का ये वीडियो वायरल हो रहा है।

वॉर 2 का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

बता दें कि 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई अयान मुखर्जी निर्देशित वॉर 2 कथित तौर पर 300-400 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने वर्ल्डवाइड 303 करोड़ (बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक) कमाया था। फिल्म में जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे स्टार्स अहम भूमिकाओं में थे।

खेल-समाचार

भारत ने ऐतिहासिक मेडल जीता

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के प्रेसिडेंट अजय सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि अभी-अभी खत्म हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फ़ाइनल्स 2025 में देश का शानदार परफ़ॉर्मेंस इस बात का सबूत है कि इंडियन बॉक्सिंग अब कोई उभरती हुई ताकत नहीं बल्कि इस खेल की सुपरपावर में से एक है। भारत ने न सिर्फ़ नौ गोल्ड मेडल जीते, बल्कि इस मशहूर टूर्नामेंट में सभी 20 कैटेगरी में मेडल जीते, जिसके लिए दो वर्ल्ड बॉक्सिंग कप लेग के टॉप आठ परफ़ॉर्मर क्वालिफ़ाई करते हैं। भारत ने कैंपेन नौ गोल्ड, छह सिल्वर और पाँच ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ खत्म किया, और सिंह इस परफ़ॉर्मेंस से काफ़ी खुश थे। सिंह ने कहा, ÷मैं इसे इंडियन बॉक्सिंग के लिए एक यादगार दिन कहूँगा। मुझे नहीं लगता कि हमारे इतिहास में कभी भी किसी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत ने नौ गोल्ड मेडल समेत 20 मेडल जीते हों,÷ साथ ही उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि यह एक लंबे सफ़र की बस शुरुआत है जो एशियन गेम्स और ओलंपिक्स की शान पर फ़ोकस है।

प्रो जिउ-जित्सु चैंपियनशिप के कंट्री क्वालिफायर शुरू

अबू धाबी,21 नवम्बर 2025। 17वीं अबू धाबी वर्ल्ड प्रोफेशनल जिउ-जित्सु चैंपियनशिप में गुरुवार को सभी वेट कैटेगरी में पर्पल,ब्राउन और ब्लैक बेल्ट डिवीजन के प्रोफेशनल एथलीटों के लिए कंट्री क्वालिफायर राउंड शुरू हो गए। यह इवेंट अबू धाबी के क्राउन प्रिंस और अबू धाबी एग्जीक्यूटिव काउंसिल के चेयरमैन शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल-नाहयान की देखरेख में हो रहा है।

दिन भर के एक्शन में दुनिया भर के एथलीटों ने मेन ब्रैकेट और फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए मुकाबला किया। हर देश से सिर्फ़ दो एथलीट ही हर वेट कैटेगरी में आगे बढ़ सकते हैं, अगर वे एक ही बेल्ट लेवल पर मुकाबला कर रहे हैं। पर्पल और ब्राउन बेल्ट के फाइनल शुक्रवार को होंगे, जबकि ब्लैक बेल्ट के फाइनल शनिवार को होंगे।

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम घोषित

बावुमा वनडे,मार्करम टी-20 में कप्तानी करेंगे भारत के खिलाफ 30 नवंबर से मैच

रांची,21 नवम्बर 2025। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ही वनडे में भी टीम को लीड करेंगे। वहीं ऐडन मार्करम टी-20 फॉर्मेट में कप्तानी संभालते नजर आएंगे। दोनों टीमों के बीच 30 नवंबर से 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज शुरू होगी।

रांची में पहला वनडे होगा

साउथ अफ्रीका ने वनडे टीम में ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जकी, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, प्रनेलन सुब्रायन और रुबिन हरमन को शामिल किया। ये सभी प्लेयर्स फिलहाल खेली जा रही टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। वनडे सीरीज के 3 मैच रांची, रायपुर और विशाखापट्टनम में खेले जाएंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 10 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी। फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया सीरीज से वापसी की थी।

19 दिसंबर को खत्म होगा दौरा

टी-20 टीम में डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, जॉर्ज लिंडे, डेविड मिलर और एनरिक नॉर्त्या को शामिल किया गया। सीरीज के 5 मुकाबले 9 से 19 दिसंबर तक खेले जाएंगे। मुकाबले कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में होंगे। साउथ अफ्रीका का भारत दौरा 14 नवंबर से कोलकाता में शुरू हुआ। यहां टीम ने पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अब दूसरा मुकाबला गुवाहाटी में 22 नवंबर से खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका का स्क्वॉड

वनडे: टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जकी, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, मार्को यानसन, केशव महाराज, ऐडन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रायन रिकेल्टन, प्रनेलन सुब्रायन।

टी-20: ऐडन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्या और ट्रिस्टन स्टब्स।

एशेज के पहले मैच में बेन स्टोक्स की घातक बॉलिंग से दोहराया गया कीर्तिमान

ऑस्ट्रेलिया,21 नवम्बर 2025। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की धारदार गेंदबाजी की वजह से ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल पाए हैं और टीम ने अभी तक 9 गेंदों में कुल 123 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया का एक विकेट बाकी है और वह इंग्लैंड से पहले पारी के आधार पर 49 रन पीछे है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 172 रन बनाए थे।

बेन स्टोक्स ने हासिल किए पांच विकेट

मैच में इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने जरूर अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी के बल्लेबाज अच्छा करने में बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुए। मिचेल स्टार्क की बॉलिंग के आगे इंग्लैंड के बल्लेबाज धराशायी हो गए। स्टार्क ने कुल 7 विकेट झटके। इंग्लैंड की टीम 172 रनों पर सिमट गई। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम बेन स्टोक्स की गेंदबाजी के आगे नहीं टिक पाई। स्टोक्स ने बेहतरीन गेंदबाजी का नमूना पेश किया और उन्होंने कंगारूओं बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 ओवर में 23 रन दिए और 5 विकेट हासिल कर लिए।

1982 के बाद ऑस्ट्रेलिया में हुआ कमाल

43 साल बाद ऐसा हुआ है, जब एशेज सीरीज में इंग्लैंड के किसी कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया में पांच विकेट हॉल हासिल किया किया है। बेन स्टोक्स से पहले 1982 में बॉब विलिस ने एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में पांच विकेट हॉल झटका था, तब वह टीम के कप्तान भी थे। अब स्टोक्स के करिश्माई प्रदर्शन की बदौलत 43 बाद कमाल हुआ है।

200 से ज्यादा टेस्ट विकेट ले चुके बेन स्टोक्स

बेन स्टोक्स ने इंग्लैंड की टीम के लिए साल 2013 में टेस्ट में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वह टीम की अहम कड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अभी तक 116 टेस्ट मैचों में कुल 7038 रन बनाए हैं। वहीं 235 विकेट भी झटके हैं। वह टेस्ट में अभी तक 6 बार पांच विकेट हॉल ले चुके हैं।

रुतुराज गायकवाड़ को मिल गई कप्तानी, इन 16 प्लेयर्स की स्क्वाड में एंट्री

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2025। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के लिए महाराष्ट्र के स्क्वाड की घोषणा कर दी गई है। कप्तानी की जिम्मेदारी युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है। गायकवाड़ ने साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ दमदार शतक लगाया था और कुल 210 बनाए थे। आगामी टूर्नामेंट के लिए महाराष्ट्र की स्क्वाड में 16 प्लेयर्स को मौका दिया गया है।

पृथ्वी शॉ को मिला मौका

पृथ्वी शॉ रणजी ट्रॉफी में महाराष्ट्र की टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने पिछले दो मैचों में टीम के लिए दो अर्धशतक लगाए हैं। अब अच्छे खेल का इनाम उन्हें मिला है और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मौका दिया गया है। उनके अलावा स्क्वाड में अर्शिन कुलकर्णी और राहुल त्रिपाठी जैसे प्लेयर्स को शामिल किया गया है।

महाराष्ट्र की टीम में दो प्लेयर्स को मिला मौका

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए महाराष्ट्र की टीम में दो विकेटकीपर्स को चुना गया है। इनमें निखिल नाइक और मनदार भंडारी शामिल हैं। मुकेश चौधरी, जलज सक्सेना जैसे बॉलर्स को भी जगह मिली है। राज्यवर्धन हंगरगेकर, योगेश डोगरे, रनजीत निकिम पर भी मैनेजमेंट ने भरोसा जताया है। लेकिन चारों प्लेयर्स के प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की संभावना कम है।

26 नवंबर को होगा टीम का पहला मुकाबला

महाराष्ट्र क्रिकेट टीम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 26 नवंबर को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स मैदान पर खेलेगी। वहीं टीम अपना आखिरी मैच 8 दिसंबर को गोवा के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप स्टेज में महाराष्ट्र की टीम कुल 7 मुकाबले खेलेगी।

महाराष्ट्र की टीम...

रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान),पृथ्वी शॉ,अर्शिन कुलकर्णी,राहुल त्रिपाठी,अजीम काजी,निखिल नाइक (विकेटकीपर),रामकृष्ण घोष,विक्की ओस्तवाल,तनय सांघवी,मुकेश चौधरी,प्रशांत सोलंकी,मंदार भंडारी (विकेटकीपर),जलज सक्सेना,राजवर्धन हंगरगेकर,योगेश डोंगरे,रंजीत निकम।

एशिया कप में फिर होगा भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला,जारी हुआ शेड्यूल

दुबई ,21 नवम्बर 2025। अगर आप क्रिकेट के शौकीन हैं तो एक और महामुकाबले के लिए तैयारी कर लीजिए। अगले महीने क्रिकेट का सबसे बड़ा मुकाबला यानी भारत बनाम पाकिस्तान मैच खेला जाएगा। दरअसल एसीसी की ओर से एशिया कप का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसका आगाज 12 दिसंबर से होने जा रहा है। हालांकि ये अंडर 19 एशिया कप होगा। इसमें कुल मिलाकर आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। जिन्हें दो ग्रुपों में बांटा गया है। भारत और पाकिस्तान को फिर से एक ही ग्रुप में रखा गया है।

पांच टीमों के नाम तय, तीन के होने अभी बाकी

भारत बनाम पाकिस्तान क्रिकेट मैच का एक और बार फिर से मंच तैयार हो गया है। अब तक इसमें पांच टीमों ने अपनी जगह पक्की कर ली है। बाकी तीन टीमों के नाम तय नहीं हो पाए हैं। ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के अलावा बाकी दो टीमें कौन सी होंगी, इसका फैसला अभी नहीं हो पाया है। वहीं ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका ओर अफगानिस्तान हैं। वहां की चौथी टीम का नाम अभी तय नहीं हो पाया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 12 दिसंबर को होगा मुकाबला

भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 12 दिसंबर को खेलेगी। हालांकि उसके सामने कौन सी टीम होगी, ये पता नहीं है। क्वालीफायर 1 को जीतने वाली टीम से भारत का मैच होना है। बात अगर भारत बनाम पाकिस्तान मैच की करें तो ये बड़ा मुकाबला 14 दिसंबर को खेला जाएगा। इस दिन रविवार है। टूर्नामेंट के दोनों सेमीफाइनल 19 दिसंबर को खेले जाएंगे और इसके बाद 21 दिसंबर को फाइनल मैच होगा। दरअसल अगले साल अंडर 19 वर्ल्ड कप भी होना है, ऐसे में एशियाई टीमों के पास अपनी तैयारी को आखिरी अंजाम देने का ये अच्छा मौका है। भारतीय टीम टूर्नामेंट जीतने की दावेदार बनकर जाने वाली है। जल्द ही टीम का ऐलान भी कर दिया जाएगा।

प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रही है कार्य : सीएम साय

रायपुर, 21 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में आयोजित 'छत्तीसगढ़ 25 साल बेमिसाल' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की 25 वर्ष की स्वर्णिम विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की अहम भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों के सपनों को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने बस्तर सहित पूरे प्रदेश में विकास में बाधक नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। सुरक्षा कैंप स्थापित किए जाने से सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में भी विकास की पहुंच सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में किए जा रहे प्रयासों से नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है और बस्तर अपने मूल स्वरूप में भयमुक्त होकर प्रदेश के विकास में बेहतर भागीदारी देगा। साय ने कहा कि बस्तर ओलम्पिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों के माध्यम से बस्तर की संस्कृति और प्रतिभा को दुनिया ने देखा है। बस्तर में शांति,समृद्धि और खुशहाली के नए युग का आरंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति हमारी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति पूरी दृढ़ता से लागू है। पूर्व में जो अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हुए, उस पर कड़ा प्रहार किया गया है, जिसका परिणाम भी सभी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने भूखमरी जैसे अभिशाप को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए थे, जिसके तहत गरीब परिवारों को अनाज उपलब्ध कराया गया। साथ ही,जरूरतमंद परिवारों को आज आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की लगभग सभी गारंटियों को पूरा कर दिया गया है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण 'चरण पादुका योजना' को भी पुनः प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने नई उद्योग नीति के आकर्षक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है। अब तक राज्य सरकार को पौने आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिससे आने वाले वर्षों में रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास में योगदान देने वाले विभिन्न संस्थानों और व्यक्तियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा,मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा,मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी अलोक सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विवेक शर्मा बने छत्तीसगढ़ के नए महाधिवक्ता

प्रफुल्ल कुमार भारत का इस्तीफा स्वीकार, 2 एडिशनल एजी-सीनियर एडवोकेट रेस में थे...

बिलासपुर,21 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने एडिशनल एडवोकेट जनरल विवेक शर्मा को नया महाधिवक्ता नियुक्त किया है।राज्यपाल ने महाधिवक्ता प्रफुल्ल कुमार भारत का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। विधि और विधायी कार्य विभाग की ओर से जारी अधिसूचना जारी की गई है। इसके अनुसार 2 अलग-अलग आदेश जारी हुए। पहले आदेश में प्रफुल्ल कुमार भारत का त्यागपत्र स्वीकार किया गया और दूसरे आदेश में विवेक शर्मा की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचनाओं की प्रतिलिपि राज्यपाल सचिवालय,महाधिवक्ता कार्यालय,उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल,विधि मंत्री कार्यालय सहित संबंधित सभी विभागों को भेजी गई है। नए महाधिवक्ता विवेक शर्मा बिलासपुर में अतिरिक्त महाधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे और अब वे राज्य के शीर्ष विधि पद का कार्यभार संभालेंगे। मीडिया ने 3 दिन पहले ही बता दिया था कि विवेक शर्मा प्रदेश के नए एडवोकेट जनरल बनाए जा सकते हैं।

एंटी करप्शन ब्यूरो ने नगर पालिका इंजीनियर को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

गरियाबंद,21 नवम्बर 2025। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने नगर पालिका गरियाबंद में पदस्थ सहायक अभियंता संजय मोटवानी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के पीछे ठेकेदार अजय गायकवाड़ की शिकायत रही,जिसमें उन्होंने बताया कि उनके निर्माण कार्य का बिल पास करने के एवज में इंजीनियर ने एक लाख रुपए की मांग की थी। एसीबी की टीम ने ठेकेदार की शिकायत के आधार पर ट्रैप प्लान तैयार किया। तय स्थान साईं गार्डन पर जब इंजीनियर संजय मोटवानी ने रिश्वत की पहली किश्त 30,000 रुपए लेने के लिए ठेकेदार को बुलाया,तो एसीबी की टीम ने तुरंत संजय मोटवानी को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने राशि को अपने कार के डेस्क बोर्ड में छुपा रखा था। जैसे ही रकम रखी गई,टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। इस तरह की कार्रवाई ने एसीबी की सतर्कता और भ्रष्टाचार के प्रति उसकी शून्य सहनशीलता को फिर साबित किया है। एसीबी ने कहा कि इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। संजय मोटवानी के खिलाफ धारा 7,पीसी एक्ट 1988 (संशोधित 2018) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ उचित जांच के बाद अदालत में आरोप पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। ठेकेदार अजय गायकवाड़ ने बताया कि वे पहले ही रिश्वत देने के खिलाफ थे और उनका उद्देश्य इंजीनियर को रंगे हाथों पकड़वाना था, ताकि नगर पालिका में भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई हो सके। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई अन्य कर्मचारियों के लिए भी संदेश है कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गरियाबंद में यह कार्रवाई नगर पालिका में ईमानदारी और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। एसीबी की टीम लगातार ऐसे मामलों पर नजर रख रही है और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है। इस कार्रवाई ने नागरिकों के बीच यह विश्वास पैदा किया है कि अधिकारियों द्वारा की जाने वाली भ्रष्ट गतिविधियां पर नजर रखी जा रही हैं और समय रहते कार्रवाई की जा रही है।

हाईकोर्ट ने पीजी मेडिकल में 100 फीसदी स्थानीय प्राथमिकता को असंवैधानिक करार दिया,अब पूरी तरह मेरिट आधारित होगा प्रवेश

बिलासपुर,21 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में पीजी मेडिकल एडमिशन के लिए बनाए गए नए नियमों पर हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। दूसरे प्रदेश से एमबीबीएस करने वाली छत्तीसगढ़ की छात्रा डॉ. समृद्धि दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने छत्तीसगढ़ चिकित्सा स्नातकोत्तर प्रवेश नियम 2025 के नियम 11 (अ) और 11 (ब) को असंवैधानिक घोषित करते हुए रद्द कर दिया है। याचिकाकर्ता ने बताया कि इन नियमों के जरिए राज्य सरकार पीजी सीटों में 100 फीसदी स्थानीय संस्थागत प्राथमिकता दे रही थी, जिससे बाहर के मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले छत्तीसगढ़ के छात्रों को अनुचित रूप से वंचित किया जा रहा था।

स्कूलों के आसपास आवारा कुत्तों पर हाईकोर्ट सख्त,सभी जिलों को तत्काल कार्रवाई के आदेश

लोक शिक्षा संचालनालय ने जारी किया निर्देश, ग्राम पंचायत-नोडल अधिकारी को 24 घंटे में रिपोर्ट सुनिश्चित करने को कहा

रायपुर,21 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा Suo Motu Writ Petition No. 05/2025 में उठाए गए मामले पर कठोर रुख अपनाते हुए लोक शिक्षा संचालनालय, छत्तीसगढ़ ने राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संकुल/ग्रामीण प्रशासन को स्कूलों के आसपास घूम रहे आवारा कुत्तों पर तत्काल कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं, यह आदेश पशुपालन विभाग द्वारा भेजे गए पत्र (क्रमांक E-166671 एवं 153108/La2-42/1802/2025/1724 दिनांक 13.11.2025) के आधार पर जारी हुआ है। आदेश के मुख्य बिंदु – स्कूलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता:-

स्कूल परिसर के आसपास आवारा कुत्तों की सूचना पंचायत को अनिवार्य रूप से दें...

शाला स्तर पर सभी प्रधान पाठकों/शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि यदि स्कूल के पास आवारा कुत्ते घूमते दिखें तो तुरंत ग्राम पंचायत/जनपद पंचायत/नगर निकाय के नोडल अधिकारी को रिपोर्ट करें।

पंचायत व शिक्षा विभाग मिलकर रोकथाम की कार्रवाई करेंगे...

ग्रामीण एवं शहरी निकायों को आदेशित किया गया है कि स्कूल में आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए अवरोधक उपाय, पकड़ने की कार्रवाई और तत्काल स्थल निरीक्षण करें।

काटने की घटना पर बच्चा सीधे स्वास्थ्य केंद्र भेजा जाए...

यदि किसी बच्चे को कुत्ता काटता है, तो संबंधित स्कूल को बच्चे को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर तत्काल चिकित्सा के लिए भेजना अनिवार्य है,देरी को गंभीर लापरवाही माना जाएगा।

अधिकारियों पर स्पष्ट चेतावनी

संचालनालय ने कहा है कि इस आदेश का पालन सुनिश्चित करना प्रत्येक जिले की जिम्मेदारी है, किसी भी प्रकार की ढिलाई पर विभागीय कार्रवाई तय होगी।

क्यों दखल दे रहा है हाईकोर्ट?

राज्य में हाल के महीनों में स्कूल के बच्चों पर आवारा कुत्तों के हमले बढ़ने, एवं पंचायत-शिक्षा विभाग की निष्क्रियता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए पूरे मामले पर राज्यों से जवाब मांगा था, आदेश की प्रति सभी जिला व संकुल शिक्षा अधिकारियों को भेजी गई है, साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग व पशुधन विभाग के सचिवों को भी प्रतिलिपि प्रेषित की गई है।

शेयर ट्रेडिंग से लाखों की धोखाधड़ी 2 आरोपी ओडिशा से गिरफ्तार

रायपुर,21 नवम्बर 2025। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशानुसार रेंज साइबर थाना रायपुर ने साइबर अपराधों के खिलाफ आपरेशन साइबर शील्ड के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई की। फेसबुक पर अपने आप को आर्मी जवान बताकर स्कॉर्पियो बेचने और शेयर ट्रेडिंग में अधिक लाभांश देने के बहाने धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को ओडिशा से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों द्वारा उपयोग किए गए बैंक खाता और मोबाइल नंबर के आधार पर अलग-अलग 15 राज्यों की कुल 38 पुलिस थानों और साइबर सेल में रिपोर्ट एवं एफआईआर दर्ज है। साइबर अपराध की विवेचना के दौरान यह सामने आया कि आरोपियों ने ऑनलाइन माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बनाया। पहला मामला भोलेश्वर शोरी का है, जिन्होंने फेसबुक पर स्कॉर्पियो बिक्री का विज्ञापन देखकर संपर्क किया। अज्ञात मोबाइल नंबर धारक ने खुद को आर्मी जवान बताकर कम कीमत में स्कॉर्पियो बेचने का दावा किया और 9.5 लाख रुपए लेकर वाहन नहीं दिया। इस मामले में थाना देवभोग में अपराध क्रमांक 105/23, धारा 420 भादवी एवं 66आईटी एक्ट के तहत पंजीकरण हुआ। इस मामले में आरोपी अजय हो (37 वर्ष, पोड़ासिगड़ी, सुंदरपाल, जिला केऊंझर, ओडिशा) को गिरफ्तार किया गया। दूसरा मामला विरल पटेल का है, जिन्होंने शेयर ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म Ask Investment Manager Limited के माध्यम से अधिक लाभांश का लालच देकर 40 लाख रुपए निवेश किए, लेकिन रकम वापस नहीं की गई। इस मामले में थाना खमारडीह में अपराध क्रमांक 92/25, धारा 318(4) और 3(5) बीएनएस के तहत पंजीकृत किया गया।

नालंदा परिसर से तैयारी, 6 होनहारों ने CGPSC परीक्षा किए पास

रायपुर,21 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2024 के फाइनल रिजल्ट 20 नवंबर की देर रात जारी कर दिए हैं। टॉप 10 में लड़कों ने बाजी मारी है। लिस्ट में 2 लड़कियां भी शामिल हैं। पहले स्थान पर दुर्ग के देवेश प्रसाद साहू ने जगह बनाई है। मंत्री ओपी चौधरी ने बधाई देते हुए कहा, CGPSC परीक्षा में नालंदा परिसर से तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने गौरवशाली सफलता प्राप्त की है। स्वप्निल वर्मा, पोलेश्वर,गौरव साहू, आदित्य,रोहित वर्मा और स्वाति साहू ने अपनी मेहनत और समर्पण से न केवल नालंदा परिसर का मान बढ़ाया है, बल्कि प्रदेश और युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए हमारे प्रयासों की सार्थकता को भी सिद्ध किया है। नालंदा परिसर से निकले ये युवा अब प्रदेश के विकास,सुशासन और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय योगदान देने को तैयार हैं। आप सभी की यह शानदार उपलब्धि आने वाले नये अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का सतंभ बनेगी। आप सभी की सफलता मेरे लिए गौरव और हर्ष का क्षण है। आपकी यह सफलता उस फल के समान है, जिसका बिजारोपण कभी आशा और विश्वास के साथ नालंदा परिसर के रूप में किया था।

साइबर ठगों ने बीजेपी विधायक को धमकाया,कहा...पहलगाम हमले की जांच में आपका नंबर,फिर जो हुआ... मचा हड़कंप

रायपुर,21 नवम्बर 2025। राजधानी में साइबर ठगों की एक बेहद चौंकाने वाली वारदात सामने आई है। रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी को आईबी (इंटेलिजेंस ब्यूरो) अधिकारी बनकर कॉल करने वाले ठगों ने डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाते हुए फंसाने की कोशिश की। कॉलर ने आतंकवाद से जुड़े एक गंभीर मामले का नाम लेकर दबाव बनाया, लेकिन विधायक की सतर्कता के कारण ठगी का प्रयास नाकाम हो गया। मामले की शिकायत साइबर थाना में दर्ज कर ली गई है और पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार शाम विधायक सोनी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को इंटेलिजेंस ब्यूरो का अधिकारी बताते हुए कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले की जांच के दौरान विधायक का मोबाइल नंबर ट्रेस हुआ है और इसी नंबर से कई संदिग्ध कॉल किए गए हैं। पहले तो अचानक ऐसी जानकारी मिलने पर विधायक घबरा गए, लेकिन बातचीत के दौरान उन्हें शक हुआ कि यह एक साइबर फ्रॉड हो सकता है। कॉलर लगातार गंभीर लहजे में आरोप दोहराता रहा और पूछताछ के लिए आईबी कार्यालय तलब करने की बात कहता रहा। यहां तक कि वह 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर दबाव बनाने की कोशिश करता रहा।

विधायक ने कॉल काटकर पुलिस को दी सूचना : जब विधायक ने अपनी असली पहचान बताई और आरोपों को खारिज किया, तब भी ठग अपनी बात पर अड़ा रहा तथा लंबी बातचीत के जरिए भ्रम पैदा करने की कोशिश करता रहा। स्थिति संदिग्ध लगने पर विधायक ने तुरंत कॉल डिस्कनेक्ट कर दिया और पूरा मामला रायपुर साइबर थाना और एसएसपी लाल उमेद सिंह को जानकारी देकर साझा किया। पुलिस के निर्देश पर विधायक ने पूरी घटना का विवरण लिखित रूप में साइबर सेल के अधिकारी मित्तल को भेज दिया है। अब साइबर टीम कॉल रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

विधायक ने लोगों से की अपील

घटना के बाद विधायक सुनील सोनी ने नागरिकों को सावधान रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि 'ऐसे मामलों में घबराने की जरूरत नहीं है। ठग लोग इस तरह बात करते हैं कि आम आदमी तुरंत डर जाए। लेकिन समझदारी यही है कि तुरंत पुलिस को सूचना दें। इससे ही बचाव संभव है। '

डिजिटल अरेस्ट का चल रहा नया फ्रॉड पैटर्न

बीते दिनों देशभर में 'डिजिटल अरेस्ट' फ्रॉड तेजी से बढ़ा है, जिसमें अपराधी सरकारी अधिकारी बनकर किसी बड़ी घटना का हवाला देकर लोगों को घंटों कॉल पर रोककर धोखा देते हैं। कई मामलों में लोगों के पैसे तक निकलवा लिए गए हैं।

हिड़मा को पकड़ कर मारा गया...पूर्व विधायक ने नक्सली महासचिव देवजी पर भी लगाए गंभीर आरोप

सुकमा,21 नवम्बर 2025। नक्सली कमांडर हिड़मा के मारे जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सुरक्षाबलों के साथ नक्सली मुठभेड़ में हिड़मा ढेर हो गया था। इसे लेकर अब पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने आरोप लगाया है कि हिड़मा एनकाउंटर में नहीं ढेर हुआ बल्कि हिड़मा को पकड़ कर मारा गया है। नक्सली कमांडर हिड़मा के मारे जाने के बाद पूरे मामले पर सियासत तेज हो गई है। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने पूरे मामले पर मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए नक्सली महासचिव देवजी पर गंभीर आरोप लगाया है। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने कहा है की हिड़मा को फर्जी मुठभेड़ कर मारा गया है। साथ आंध्र प्रदेश में गिरफ्तार 50 नक्सलियों की गिरफ्तारी पर भी मनीष कुंजाम ने सवाल उठाया है और कहा है कि क्या 50 लोग एक साथ गिरफ्तार होने आंध्र प्रदेश जाएँगे। पूरे मामले को मनीष कुंजाम ने नाटकीय बताते हुए नक्सल संगठन के महासचिव देवजी पर सरकार व पुलिस के साथ मिलकर हिड़मा को मरवाने का आरोप लगाया है। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने आरोप लगाते हुए कहा की आंध्र के नक्सली बस्तर में घटित सभी घटनाओं का आरोपी हिड़मा को बनवा दिया और उसे मरवा दिया है। मनीष कुंजाम के इस बयान के बाद पूरे मामले में सियासी घमासान मचने की स्थिति बन गई है।

छत्तीसगढ़ के खूंखार नक्सली हिड़मा की मौत को सुरक्षाबलों की बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है।दूसरी ओर हिड़मा की मौत के बाद एक तरफ नक्सल समर्थकों की ओर से सोशल मीडिया में हिड़मा के समर्थन में पोस्ट किया जा रहा है। वहीं कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी इसे लेकर पोस्ट किया है। युवा कांग्रेस की पदाधिकारी प्रीती मांझी ने लाल सलाम कामरेड हिडमा लिखकर समर्थन जताया है। इन सभी पर भाजपा नेताओं ने तीखा पलटवार किया है। हिड़मा छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का पोस्टर बॉय था। सुरक्षाबल के सैकड़ों जवानों और निर्दोष आदिवासियों की हत्या का जिम्मेदार था। हिड़मा की मौत को नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन नक्सल समर्थकों का एक तबका ऐसा भी है, जो हिड़मा की मौत पर सोशल मीडिया में आंसू बहा रहा है। हिड़मा की मौत का महिमामंडन कर जल जंगल जमीन का संरक्षक बताया जा रहा है।

नक्सलवाद के खिलाफ अब निर्णायक लड़ाई:छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई अब निर्णायक अंजाम पर पहुंच गई है। ऐसे समय में नक्सलियों के मारे जाने पर उनके समर्थन में प्रतिक्रियाएं ऐसे लोगों के दोहरे चरित्र को उजागर तो करती ही हैं। इस बात का संकेत भी देती हैं कि सशस्त्र नक्सलवाद भले मार्च 2026 तक खत्म हो जाए,वैचारिक नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई अभी और लंबी चल सकती है।

छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित होगा डीजी-आईजीपी सम्मेलन देशभर के कई शीर्ष अधिकारी रहेंगे मौजूद,पीएम भी होंगे शामिल

रायपुर,21 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में पहली बार 60वां अखिल भारतीय डीजी/आईजीपी सम्मेलन 28 से 30 नवंबर तक नवा रायपुर स्थित आईआईएम परिसर में आयोजित हो रहा है। सम्मेलन में लगभग 300 अतिविशिष्ट व्यक्ति शामिल होंगे, जिनमें कसी राज्यों के पुलिस महानिदेशक और अर्धसैनिक बलों के 20 महानिदेशक/अतिरिक्त महानिदेशक शामिल होंगे। इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में आतंरिक सुरक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दों पर मंथन होगा। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सम्मेलन में विशेष तौर पर नक्सलवाद से निपटने की रणनीति, आतंकवाद विरोधी प्रयास, ड्रग्स नियंत्रण, साइबर सुरक्षा, और सीमा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। डीजी/आईजीपी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। उनके इस दौरे को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीजीपी कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे। अमित शाह आतंरिक सुरक्षा की रणनीतियों, राज्यों के बीच समन्वय और उभरते खतरों पर विस्तृत दिशा-निर्देश देंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)